

बालू उठाव के मुद्दे पर ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन के बीच हंगामा

कोडरमा : जिले के मरकचको थाना क्षेत्र स्थित बेलडीह गांव में शनिवार को अवैध बालू उठाव के मुद्दे पर ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन के बीच जोरदार हंगामा हुआ. बेलडीह नदी से लगातार हो रहे बालू के उठाव से आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके वाहन को एक घंटे से अधिक समय तक घेरे रखा और जमकर नारेबाजी की.

ग्रामीणों का आरोप: कार्वाई के नाम पर लीपापोती ग्रामीणों के अनुसार, बेलडीह नदी से प्रतिदिन बड़े पैमाने पर ट्रैक्टरों के जरिए बालू का अवैध उठाव किया जाता है. शनिवार सुबह भी कई बालू लदे ट्रैक्टर गांव के रास्ते से गुजर रहे थे, तभी मरकचको थाना की पुलिस मौके पर पहुंची. ग्रामीणों का दावा है कि पुलिस ने बालू से लदे तीन ट्रैक्टरों को मौके पर पकड़ा और उन्हें गांव से बाहर ले गई. आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने कुछ दूरी पर ले जाकर तीनों ट्रैक्टरों से बालू खाली करवा दिया और बिना किसी कानूनी कार्वाई के वाहनों को छोड़ दिया. इसी बात से आक्रोशित होकर ग्रामीणों ने गांव में घुसे पुलिस वाहन को चारों तरफ से घेर लिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी. ग्रामीणों का सीधा सवाल था कि यदि बालू का उठाव अवैध था और कार्वाई के तहत ट्रैक्टर पकड़े गए थे, तो उन्हें बिना जब्तী सूची के क्यों छोड़ा गया?

अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ मामला : गांव में तनाव बढ़ता देख स्थिति की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई. जानकारी मिलते ही मरकचको अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी बमबम कुमार अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ वार्ता की और उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया. कड़ी मशक्कत और आश्वासन के बाद ही ग्रामीण पुलिस वाहन को छोड़ने पर सहमत हुए, जिसके बाद फंसे हुए पुलिसकर्मियों को सुरक्षित निकाला जा सका।

207 दुर्गा पूजा में 500 वालंटियर तैनात करेगा झारखंड यूथ क्रांति संघ
रांची : करमटोली चौक स्थित केंद्रीय धूमकुड़िया भवन में 2 अक्टूबर, शुक्रवार को झारखंड यूथ क्रांति संघ की ओर से कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संगठन के मुख्य संरक्षक जितेंद्र सिंह के दिशा-निर्देश पर किया गया। समारोह की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनकी तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के केंद्रीय अध्यक्ष नमित हेमरोम ने की, जबकि मंच का संचालन आकाश कुमार ने किया। इस दौरान झारखंड में व्याप्त विभिन्न सामाजिक एवं जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। रोजगार नीति, स्वास्थ्य नीति और शिक्षा नीति समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने राज्य के युवाओं और आम लोगों से जुड़े मुद्दों के समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया।

दुर्गा पूजा में 500 वालंटियर देने की घोषणा



रांची : आगामी दुर्गा पूजा को देखते हुए संघ की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग के लिए 500 वालंटियर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई। इसके साथ ही विभिन्न पूजा स्थलों पर सेवा शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही गई।

संघ की ओर से पूजा के दौरान खोया-पाया कार्ड, नोज मास्क और सैनिटाइजर वितरण करने की भी घोषणा की गई। संगठन के सदस्यों ने कहा कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए वालंटियर सक्रिय रूप से सहयोग करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से संयोजक विशाल सिंह, अमन मुंडा, सूरज करकेट्टा, राजन गोस्वामी, शाहिद रहमान, अलहन अहमद सहित कार्यकर्ता अभिषेक टोपो, विशाल उपाध्याय, रोहन मुंडा, अजय मुंडा, विकास सिंह, पवन वर्मा, कृष्ण शर्मा, रोहित सिंह, आनंद लोहरा, शंकर कुमार साहू, रांकी सिंह, अजय मुंडा समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

फर्जान खान को मिला झारखंड आइकॉनिक अवॉर्ड 2026



रांची : झारखंड की सुरीली आवाज और बेहترین व्यक्तित्व के लिए पहचान बनाने वाले वसेंटईल सिंगर फर्जान खान को महाबली एंटरटेनमेंट की ओर से झारखंड आइकॉनिक अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके लिए संगीत के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों का गौरवपूर्ण सम्मान है। फर्जान खान अपनी मधुर आवाज, शानदार गायकी और विविधतापूर्ण अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी आवाज में ऐसी मिठास और कशिश है, जो सीधे श्रोताओं के दिल तक पहुंचती है। उनकी गायकी में भावनाओं का ऐसा खूबसूरत मेल देखने को मिलता है, जो किसी भी महफिल को वादगार बना देता है। अलग-अलग तरह के गीतों को अपनी आवाज में ढालने की उनकी क्षमता उन्हें एक वसेंटईल सिंगर के रूप में खास पहचान दिलाती है।

फर्जान खान की खूबसूरती केवल उनकी आवाज तक सीमित नहीं है। उनकी सादगी, विनम्रता, सहज व्यवहार और ईंसानियत भी उन्हें लोगों के बीच अलग पहचान दिलाती है। सफलता और सम्मान मिलने के बावजूद उनका सरल स्वभाव और लोगों के प्रति सम्मान उनकी शख्सियत की खास पहचान है। यही वजह है कि उनके चाहने वालों के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बनी हुई है।

फर्जान खान ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद खुशी और गर्व का पल है। उन्होंने महाबली एंटरटेनमेंट के प्रति आभार जताते हुए कहा कि ऐसा सम्मान कलाकारों को आगे बढ़ने और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

जिले को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित



मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आज सिविल सर्जन कार्यालय सभागार, कोडरमा में कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं जिले को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, कोडरमा डॉ. रमण कुमार द्वारा की

गई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं मानव सेवा के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके विचारों को अपने आचरण में अपनाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान कुष्ठ रोग

के उन्मूलन एवं कोडरमा जिले को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से शपथ ली गई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने कुष्ठ रोग से संबंधित भ्रातियों एवं सामाजिक कलंक को दूर करने, कुष्ठ रोग के लक्षणों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा संभावित मरीजों की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित कराने में सक्रिय भूमिका निभाने का

संकल्प लिया।

इस अवसर पर बताया गया कि कुष्ठ रोग पूर्णतः

उपचार योग्य बीमारी है और समय पर पहचान एवं नियमित उपचार से इससे प्रभावित व्यक्ति स्वस्थ जीवन जी सकता है। समाज में कुष्ठ रोग को लेकर व्याप्त भ्रातियों एवं भेदभाव को समाप्त करना भी इसके नियंत्रण एवं उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कुष्ठ रोग के लक्षणों, उपचार की उपलब्धता तथा समय पर जांच कराने के संबंध में आमजनों को जागरूक करें। इस अवसर पर उपाधीक्षक, सदर अस्पताल, फरहाना महफुज, डॉ. रौनक महर्षि, डॉ. रविकांत सिंह, राजीव कुमार, सिद्धान्त ओहदार, हिमांशु कुमार, कुणाल कुमार, जितेंद्र मिश्रा, ललित कुमार, ललन राणा सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मों उपस्थित थे।

सवर्ण अधिकार आंदोलन की तैयारी में जुटे मोर्चा के पदाधिकारी



संवाददाता

रांची: अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह के नेतृत्व में सवर्ण समाज के हक अधिकारों की मांग को लेकर सवर्ण अधिकार आंदोलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसकी तैयारी को लेकर सवर्ण मोर्चा के प्रदेश कार्यालय सेक्टर 2 धुर्वा, रांची में मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह

एवं झारखंड प्रदेश संरक्षक रामेश्वर दयाल सिंह जी का प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ बैठक की गई। बैठक में आगामी राज भवन घेराव के कार्यक्रम सफल बनाने के संबंध में चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि, चूकि आंदोलन का रूप बड़ा होगा। इसके लिए बड़ी संख्या में लोगों को जुटाना अनिवार्य होगा। जिसे लेकर सवर्ण समाज के गणमान्य लोगों के साथ मोर्चा के

पदाधिकारियों की आगामी बैठक किया जाना निश्चित हुआ है। उक्त बैठक बिरसा चौक समीप पार्क इन होटल रांची में 4 सितंबर, रविवार को संंध्या 3:00 बजे से आहूत की गई है। बैठक में सवर्ण मोर्चा के पदाधिकारी के साथ सवर्ण समाज के सैकड़ो गणमान्य लोग शामिल होंगे। बैठक में सवर्ण अधिकार आंदोलन को कैसे सफल बनाया जाए, सवर्ण समाज की मुख्य मांगे केंद्र सरकार पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी लोगों की राय एवम समर्थन लिया जायेगा। कार्यक्रम में मोर्चा अपने मुख्य मांगों को लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय (झारखंड) एवं उपायुक्त महोदय (रांची) कार्यालय में केंद्र सरकार के नाम जापन सौंपा जाना है। आंदोलन की रूपरेखा की विशेष तैयारी 4 सितंबर रविवार को उक्त बैठक में की जाएगी।

वार्ड संख्या-14 में स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन

स्वच्छता के लिए जनभागीदारी जरूरी : सीपी सिंह

रांची : सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को रांची नगर निगम के वार्ड संख्या-14 में पार्षद अंजू देवी के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रांची विधायक सीपी सिंह ने महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

अभियान के दौरान वार्ड की विभिन्न गलियों और मोहल्लों में भ्रमण कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। लोगों से घर, दुकान और

आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने तथा सार्वजनिक स्थलों को गंदगी और अतिक्रमण से मुक्त रखने की अपील की गई। पार्षद अंजू देवी ने दुकानदारों और फल विक्रेताओं से सड़क पर कचरा नहीं फेंकने तथा कूड़ेदान और कचरा वाहन का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुंदर वार्ड के लिए नगर निगम के साथ आम लोगों की भागीदारी ही जरूरी है। उन्होंने घोषणा की कि जिन मोहल्लों में बड़ी कचरा गाड़ी नहीं पहुंच पाती, वहां छोटी ट्रॉली से कचरा संग्रह कराया जाएगा।

महिलौंग में भाजपा का आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

सेवा का अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है : डॉ प्रदीप कुमार वर्मा

आंगनवाड़ी-सहिया दीदियों का सम्मान, बच्चों को दी गई शैक्षणिक सामग्री



समझना और उपलब्ध जनकल्याणकारी व्यवस्थाओं से लोगों को जोड़ना है। ह्यआंगन मिलन सेवाह्य जैसे कार्यक्रम सेवा

कायों से जुड़े लोगों के सम्मान के साथ-साथ माताओं, बच्चों एवं परिवारों से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर भी प्रदान करते हैं।

समाजसेवी राजेंद्र साव ने निजी खर्च से कराई सड़क की मरम्मत,ग्रामीणों को मिली राहत



मेट्रो रेज सवाददाता

डोमचांच (कोडरमा) : प्रखंड अंतर्गत पुरनाडीह पंचायत के रायडीह उपरटोला हरिजन मुहल्ला में चेतलाल दास के घर की ओर जाने वाली सड़क की बदहाल स्थिति से ग्रामीण लंबे समय से परेशान थे। सड़क पर जगह. जगह गड्डे, कीचड़ और जलजमाव के कारण लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी। जलजमाव के कारण संक्रमण व गंभीर बीमारियों का खतरा भी बना हुआ था। ग्रामीणों की समस्या की जानकारी पुरनाडीह पंचायत के नवादा निवासी समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद

साव को मिली। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पहल की और अपने निजी खर्च से सड़क पर डस्ट गिरवाकर उसकी मरम्मत कराई। सड़क की मरम्मत होने के बाद ग्रामीणों को आवागमन में काफी राहत मिली। समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद साव की इस पहल की स्थानीय ग्रामीणों ने सराहना करते हुए उनके प्रति आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने जनप्रतिनिधियों की प्रतीक्षा करने के बजाय स्वयं आगे बढ़कर समस्या का समाधान कराया है। इस मौके पर श्री साव ने कहा कि ह्क्षेत्र में किसी भी तरह की समस्या हो, ग्रामीण मुझे सूचना दें। अपने स्तर से उसके समाधान का हरसंभव प्रयास करूंगा।

7 साल पुराने जमीन विवाद में कोर्ट का फैसला, वादी के पक्ष में आया आदेश



एकरारनामा भी बना दिया गया। लेकिन बार-बार समय अवधि के अंदर बिक्री पत्र (रजिस्ट्री) करने को कहने पर टाल-मटोल किया जाने लगा। इसके बाद वादी सजित कुमार ने न्यायालय का सहारा लिया और 2019 में वाद दाखिल किया गया । लगभग सात वर्षों तक चली सुनवाई के बाद दिनांक 29.09.2026 को एस.एस. तिकी, सिविल जज सीनियर डिवीजन चतुर्थ, चतरा के न्यायालय से आदेश वादी के पक्ष में पारित किया गया है । वादी की ओर से पैरवी अधिवक्ता विद्यानन्द कुमार सिंह कर रहे थे

दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज, महिला ने ससुराल वालों पर लगाए गंभीर आरोप

रांची : कर्बला टैंक रोड निवासी समन फिरदौस, पिता एजाज अहमद, ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ डोरंडा थाना में दहेज उत्पीड़न, मारपीट और प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। समन फिरदौस की शादी सीनान आलम, पिता शहर काजी कारी जान मोहम्मद मुस्तफी के साथ हुई है। दर्ज शिकायत में महिला ने ससुराल वालों पर शादी के बाद से दहेज को लेकर मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

शिकायत में समन फिरदौस ने कहा है कि उनके पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार शादी में आवश्यक सामान दिया था। इसके बावजूद ससुराल में दहेज के लिए लगातार दबाव बनाया गया। महिला का आरोप है कि उसके साथ कई बार मारपीट की गई, जिससे हाथ-पैर में चोटें आईं और उसे डोरंडा अस्पताल में इलाज कराना पड़ा।

महिला ने आरोप लगाया कि उसकी 11 माह की बच्ची : को पटक दिया गया। शिकायत के

अनुसार, एक घटना में उसके पति ने कथित तौर पर चाकू लेकर उसे दौड़ाया, जिसके बाद उसने अपने कमरे में खुद को बंद कर लिया। बाद में उसने घटना की जानकारी अपने मायके वालों को दी, जिसके बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर गए। समन फिरदौस का आरोप है कि पति सीनान आलम लगातार घर से पैसे लाने का दबाव बनाते थे। फ्रिज में ताला लगाकर रखा जाता था और कई बार उसके कमरे को बाहर से भी बंद कर दिया जाता था। महिला ने कहा कि वह अपने ससुराल में खुद को असुरक्षित महसूस करती है। उसने बताया कि वह और उसके मायके वाले पति के साथ ससुराल में रहने और मामले को सुलझाने की लगातार कोशिश करते रहे, लेकिन ससुराल पक्ष ने उसे अपनाने से इनकार किया। महिला ने यह भी कहा कि उसके ससुर कारी जान मोहम्मद दूसरों के विवाद सुलझाने के लिए उनके घर जाते हैं, लेकिन अपने परिवार की समस्या का समाधान नहीं कर सके। मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।



अग्रवाल सभा का स्थापना दिवस समारोह मना

गांवों को गोद लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास को गति दें : राज्यपाल

संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सामाजिक संस्थाओं से सुदूरवर्ती गांवों को गोद लेकर वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास से जुड़े कार्यों को गति देने का आह्वान किया। वे गुरुवार को महाराजा अग्रसेन भवन में अग्रवाल सभा के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि समाज की वास्तविक समृद्धि केवल आर्थिक संपन्नता से नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और सेवा-भाव से भी मापी जाती है। अग्रवाल सभा की पांच दशकों की यात्रा संस्था के समर्पण और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों और समाज के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा,

स्वास्थ्य और विभिन्न सामाजिक कार्यों के माध्यम से अग्रवाल समाज लंबे समय से योगदान दे रहा है। अब कमजोर और वंचित वर्गों तक सहयोग का दावरा और व्यापक करने की जरूरत है।

उन्होंने दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। कहा कि दहेज-मुक्त और सामूहिक विवाह के साथ विवाह समारोहों में सादगी और सीमित खर्च को प्रोत्साहित करना सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं को दहेज न लेने और न देने का संकल्प लेकर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि समाज की प्रगति में नई पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं



और महिलाओं की शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो संस्था अपनी नई पीढ़ी को तैयार करती

है, वही अपने भविष्य को मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि उद्योग, व्यापार, उद्यमिता और नवाचार देश की आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण आधार हैं। अग्रवाल

समाज की व्यापार और उद्यमिता की समृद्ध परंपरा झारखंड में नए उद्यमों तथा स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाने में उपयोगी हो सकती है। द्वाविकसित भारत 2047हू के लक्ष्य की प्राप्ति में

समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

अग्रवाल सभा रांची के तत्वावधान में सभा का 50वां स्थापना दिवस समारोह महाराजा अग्रसेन भवन में भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं पूर्व सांसद महेश पोद्दार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया गया।

अग्रवाल सभा के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन ललित पोद्दार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन निर्मल बुधिया ने किया। समारोह के दौरान राज्यपाल ने अग्रवाल सभा के

सभी पूर्व अध्यक्षों और पूर्व मंत्रियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके अलावा नेत्रदान करने वाले तीन परिवारों को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में 75 वर्ष की आयु पूरी कर चुके करीब 55 वरिष्ठ अग्रजनों को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले पूर्व अध्यक्षों में गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया, राजकुमार केडिया, ओमप्रकाश अग्रवाल, चंडी प्रसाद डालमिया, राजेंद्र कुमार केडिया, ललित पोद्दार, विश्वनाथ जाजोदिया, अशोक कुमार नारसरिया, विनोद कुमार जैन, पवन कुमार पोद्दार, नंदकिशोर पाटोदिया और प्रमोद अग्रवाल शामिल रहे।

पूर्व मंत्रियों में श्याम सुंदर बजाज, छोटेलाल जैन, कौशल कुमार राजगढ़िया, अनिल

अग्रवाल और प्रमोद कुमार अग्रवाल सहित अन्य को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य संयोजक सज्जन कुमार पाड़िया, प्रकाश बजाज, सुनील पोद्दार, अमर अग्रवाल, रामाशंकर बगड़िया, प्रमोद बगड़िया, विजय खोवाल, अशोक लाठ, सुमित महालका, महेश अग्रवाल, राजकुमार मित्तल और विनोद कुमार टिबडेवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल के अलावा अलका सरावगी, मंजू केडिया, बीना मोदी, मधु शराफ, प्रीति पोद्दार, लक्ष्मी पाटोदिया, अंशु नेवटिया, सरिता अग्रवाल और छाया अग्रवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद थीं। यह जानकारी मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने दी।

रांची रेल मंडल में गांधी और शास्त्री जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि ,सफाईकर्मियों का हुआ सम्मान



रांची : रांची रेल मंडल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक करुणा निधि सिंह ने दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के देशप्रेम, सादगी, राष्ट्र के प्रति समर्पण और देश की स्वतंत्रता में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने रेलकर्मियों से दोनों महापुरुषों के आदर्शों पर चलने और उनके विचारों का पालन करने का आह्वान किया।

इसके बाद मंडल कार्यालय के सभागार में मंडल रेल प्रबंधक करुणा निधि सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मौना, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता राजीव रंजन, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजा, वरिष्ठ मंडल दूरसंचार अभियंता विविनन मरांडी सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मंडल में चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वच्छता और जागरूकता को लेकर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस दौरान सफाईकर्मियों की भूमिका की सराहना की गई। मंडल रेल प्रबंधक ने मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों एवं सफाईकर्मियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित कर पुरस्कृत किया। साथ ही स्वच्छता ही सेवा अभियान के समापन के अवसर पर सफाई मित्रों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

डीसी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को किया नमन



रांची : गांधी जयंती के अवसर पर रांची के जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस

दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर पारस राणा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, प्रशिक्षु आईएस आस्था शरण, अपर जिला दंडाधिकारी रांची, धर्नजय, उपसमाहर्ता नजारत सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडे, पुलिस उपाधीक्षक सदर वी रमन एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी ने भी बापू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

न्यूरोलॉजिस्ट-सर्जन 6 अक्टूबर को अंजुमन अस्पताल में करेंगे मरीजों की जांच



रांची : मरीजों के लिए राहत की खबर है। अंजुमन इस्लामिया अस्पताल के अध्यक्ष मोखतार अहमद की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार न्यूरोलॉजिस्ट-सर्जन विशेषज्ञ चिकित्सक डा अनुराग गुप्ता अस्पताल में मरीजों की जांच और इलाज के लिए उपलब्ध रहेंगे। विशेषज्ञ चिकित्सक 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे अंजुमन अस्पताल पहुंचेंगे।

रिलीज में बताया गया है कि दिमाग और रीढ़ की हड्डी से संबंधित रोगों से परेशान मरीज विशेषज्ञ डॉक्टर अनुराग गुप्ता से परामर्श ले सकते हैं। अस्पताल प्रबंधन ने ऐसे मरीजों से निर्धारित समय से पहले अस्पताल पहुंचकर अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है, ताकि जांच और इलाज की प्रक्रिया सुचारु रूप से की जा सके।

मोखतार अहमद ने बताया कि न्यूरोलॉजी और न्यूरो सर्जरी से संबंधित मरीज इस विशेषज्ञ सेवा का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचकर पंजीकरण कराना होगा।

योगदा सत्संग आश्रम पहुंचे मुख्यमंत्री, स्वामी ईश्वरानंद व निर्मलानंद से की मुलाकात

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को बहुबाजार, चुटिया स्थित योगदा सत्संग समिति ऑफ इंडिया के योगदा सत्संग आश्रम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वामी ईश्वरानंदजी एवं स्वामी निर्मलानंदजी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री ने आश्रम में श्रीश्री परमहंस योगानंदजी के कक्ष, फोटो एवं पुस्तक गैलरी का अवलोकन किया और वहां संरक्षित सामग्री के संबंध में जानकारी ली। गैलरी में परमहंस योगानंदजी एवं उनके प्रमुख शिष्यों द्वारा रचित पुस्तकें, प्रकाशित संदर्भ, स्वामीजी से संबंधित डाक



टिकट, फोटोग्राफ तथा उनके द्वारा इस्तेमाल की गई सामग्री संरक्षित है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने लीची वेदी, स्मृति मंदिर, ध्यान

मंदिर, ध्यान उद्यान और आश्रम परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने आश्रम से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और व्यवस्थाओं की जानकारी भी

ली। स्वामी ईश्वरानंदजी एवं स्वामी निर्मलानंदजी ने मुख्यमंत्री को आश्रम की हालिया गतिविधियों से अवगत कराया।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कांग्रेस भवन में श्रद्धांजलि

संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने शुक्रवार को कांग्रेस भवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी का झारखंड से काफी लगाव था। वर्ष 1917 में जब वे रांची आए थे, तब उन्होंने यहां के टाना भगतों को चरखा चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया था। वर्ष 1925 में झारखंड आने एवं ईमानदारी की आज भी लोग मिसाल देते हैं। उन्होंने देश को रूढ़िवाद जवान, जय किसानहू का नारा दिया। शास्त्री जी पूर्ण रूप से गांधीवादी नेता थे और उनके व्यक्तित्व में गांधी जी के विचारों



को गति देने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

उन्होंने कहा कि भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन सादगीपूर्ण रहा। उनका आचरण हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनकी सत्यनिष्ठा, प्रशासनिक क्षमता एवं ईमानदारी की आज भी लोग मिसाल देते हैं। उन्होंने देश को रूढ़िवाद जवान, जय किसानहू का नारा दिया। शास्त्री जी पूर्ण रूप से गांधीवादी नेता थे और उनके व्यक्तित्व में गांधी जी के विचारों

की स्पष्ट झलक दिखाई देती थी।

कांग्रेस विधायक दल के नेता श्रीप्रदीप यादव ने कहा कि जब पूरी दुनिया में अंग्रेजी शासन का साम्राज्य था, तब सत्य और अहिंसा के रास्ते उस साम्राज्य को समाप्त करने का कार्य महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में संभव हुआ। आज पूरी दुनिया गांधी जी के विचारों और उनके बताए सत्य एवं अहिंसा के मार्ग का अनुकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि गोडसे जैसे लोग महात्मा गांधी के विचारों को दफन करना चाहते हैं।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, एआईसीसी के संयुक्त सचिव निलेश भाई पटेल एवं विवेक भटनगर मुख्य रूप से उपस्थित थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में डॉ जयप्रकाश गुप्ता, रामाश्रय प्रसाद, डॉ. राजेश गुप्ता, लाल किशोर नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दुबे, सूर्यकांत शुक्ला, राजीव रंजन प्रसाद, के.के. गिरि, राजन वर्मा, सुरेन राम, डॉ. विनोद सिंह, निरंजन पासवान, राजेश सिन्हा सन्नी, अवध नारायण प्रसाद, विजय यादव, मनोज सहाय पिंगू, जगदीश साहू, रोहंद लाल गोपी, विनयज भारतीय बल्कू, विनय उरांव, राजू राम, जगन्नाथ साहू, नन्दू शर्मा, अजय सिंह, अजय जैन, वीरेंद्र विक्रम, उमेश चौधरी, संजय कुमार, रामानंद केशरी आदि सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

रांची में गीले कचरे के स्थानीय प्रसंस्करण को बढ़ावा देगा नगर निगम

100 किलो से अधिक कचरा पैदा करने वालों की तय होगी जिम्मेदारी



रांची : शहर की स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी, वैज्ञानिक और विकेंद्रीकृत बनाने के उद्देश्य से रांची नगर निगम ने बड़े कचरा उत्पादक प्रतिष्ठानों के स्तर पर गीले कचरे के स्वयं प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की पहल शुरू की है। गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को होटल ग्रीन होराइजन, होटल रेडिसन ब्लू और कैपिटल हिल में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों के प्रबंधन एवं कर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और चार डिब्बों से कचरा पृथक्करण की व्यवस्था की जानकारी दी गई।

नगर निगम की टीम ने प्रतिष्ठानों को अपने परिसर में खाद बनाने की मशीन अथवा गट्टे में खाद बनाने की व्यवस्था स्थापित कर गीले कचरे का स्थानीय स्तर पर ही प्रसंस्करण करने के लिए प्रोत्साहित किया। निगम के अनुसार, प्रतिदिन 100 किलोग्राम

या उससे अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले, 40 हजार लीटर या उससे अधिक पानी की खपत करने वाले अथवा 20 हजार वर्गमीटर या उससे अधिक निर्मित क्षेत्रफल वाले प्रतिष्ठानों एवं आवासीय परिसरों को बड़े कचरा उत्पादक की श्रेणी में रखा जा रहा

है। ऐसे प्रतिष्ठानों का पंजीयन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के केंद्रीकृत पोर्टल के माध्यम से कराया जा रहा है। वर्तमान में 200 से अधिक बड़े कचरा उत्पादकों का पंजीयन हो चुका है। निगम की टीम विभिन्न प्रतिष्ठानों और आवासीय परिसरों का लगातार भ्रमण कर पात्र संस्थानों की पहचान और पंजीयन की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है। निगम का कहना है कि बड़े कचरा उत्पादकों को केवल नियामकीय श्रेणी के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदार कचरा प्रबंधन व्यवस्था के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मईयां सम्मान योजना अब ‘मईयां अपमान योजना’ बन गई : रमाकांत महतो

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने मईयां सम्मान योजना को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव 2024 से पहले योजना को महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बताकर प्रचारित किया गया था, लेकिन चुनाव के बाद सरकार ने लाभुक महिलाओं की संख्या घटा दी। महतो ने कहा कि चुनाव से पहले 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को हर साल 30 हजार रुपये देने का वादा किया गया था। बाद में लाभुकों की संख्या 50 लाख से घटाकर 35 लाख कर दी गई और अब करीब डेढ़ लाख महिलाओं के नाम सूची से हटाए गए हैं।

महतो ने सवाल उठाया कि यदि ये महिलाएं अपात्र थीं, तो चुनाव से पहले उन्हें पात्र क्यों माना गया और यदि पात्र हैं, तो उनके नाम किस आधार पर हटाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पारदर्शी प्रक्रिया और पूर्व सूचना के नाम हटाने से गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग की महिलाएं परेशान हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने सरकार से हटाए गए लाभुकों की सूची और नाम हटाने का कारण सार्वजनिक करने, पात्र महिलाओं का लाभ तत्काल बहाल करने तथा पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की।



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मां का का तप पर्व जीउतिया

सतपुतिया जैसे सात स्वस्थ, आयुवान, बलवान, यशस्वी पुत्रों की कामना के साथ माता की तपस्या का पर्व है जिउतिया। इसीलिए इस व्रत का आधार आहार भी सतपुतिया ही है। भगवान भास्कर की तीक्ष्णतम रश्मियों के साथ आयोजित यह वार्षिक लोक तप पर्व वस्तुतः संतान में प्रकृति की समस्त शक्तियों को आरोपित करने की मातृ तपस्या है। यह न तो यज्ञ है न ही कोई अनुष्ठान। केवल तपस्या है जीवित्पुत्रिका का व्रत। जीवित्पुत्रिका व्रत में संतान की लंबी उम्र और वंश वृद्धि की कामना के लिए सतपुतिया (तोरई जैसी एक सब्जी) खाई जाती है। सतपुतिया शब्द 'सत' (सात) और 'पुतिया' (पुत्र या संतान) से मिलकर बना है। यह सब्जी प्रायः सात के समूह या गुच्छों में फलती है। इसे खाने से संतान की संख्या और वंश में वृद्धि होने की पौराणिक मान्यता जुड़ी है। सतपुतिया सब्जी का सीधा संबंध जितिया (जीवित्पुत्रिका) व्रत से है, जिसके बिना यह व्रत अधूरा माना जाता है। जितिया व्रत और सतपुतिया के धार्मिक महत्व के पीछे तीन प्रमुख पौराणिक व लोक कथाएं प्रचलित हैं, जिन्हें व्रत के दिन माताएं जरूर सुनती हैंः

चील और सियारिन की लोक कथा : पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, नर्मदा नदी के किनारे एक जंगल में एक चील और एक सियारिन रहती थीं, जो आपस में गहरी सहेलियां थीं। एक बार उन्होंने गांव की महिलाओं को संतान की लंबी आयु के लिए जितिया का निर्जला व्रत करते देखा और खुद भी यह व्रत रखने का संकल्प लिया। व्रत के दिन सियारिन को बहुत तेज भूख लगी। वह भूख बढ़ाेशत नहीं कर पाई और रात में चुपके से श्मशान जाकर हड्डियां और मांस खा लिया, जिससे उसका व्रत खंडित हो गया। दूसरी ओर, चील ने पूरी निष्ठा और भूख-प्यास सहकर नियमपूर्वक व्रत पूरा किया।

अगला जन्म : अगले जन्म में दोनों सहेलियां मनुष्य रूप में सगी बहनें बनकर राजा के घर जन्मीं। बड़ी बहन (पूर्व जन्म की सियारिन) का विवाह एक मंत्री से हुआ, जबकि छोटी बहन (पूर्व जन्म की चील) रानी बनी।

व्रत का प्रभाव : पिछले जन्म में व्रत तोड़ने के कारण बड़ी बहन (सियारिन) के बच्चे जन्म लेते ही मर जाते थे, जबकि छोटी बहन (चील) के सात पुत्र हुए जो बहुत वीर और दीघायु थे। बड़ी बहन ने जलन के कारण कई बार रानी के बच्चों को मारने की कोशिश की, लेकिन व्रत के पुण्य प्रभाव से बच्चों का बाल भी बांका नहीं हुआ। बाद में जब उसे अपनी भूल का अहसास हुआ, तो उसने भी पश्चाताप कर पूरी निष्ठा से यह व्रत किया और उसे संतान सुख मिला।

राजा जीमूतवाहन की पौराणिक कथा : यह कथा गंधर्व राजकुमार जीमूतवाहन से जुड़ी है। वे बहुत दयालु और परोपकारी थे। एक बार जीमूतवाहन जंगल से गुजर रहे थे, तो उन्होंने एक वृद्धा (नागमाता) को रोते हुए देखा। पूछने पर पता चला कि नागों और पक्षीराज गरुड़ के बीच एक समझौता हुआ है, जिसके तहत गरुड़ को हर रोज एक नाग आहार के रूप में सौंपा जाता है। उस दिन वृद्धा के इकलौते पुत्र 'शंखचूड़' की बारी थी। नागमाता का दुख देखकर जीमूतवाहन ने उनके पुत्र के प्राण बचाने का निर्णय लिया। वे खुद लाल कपड़े में लिपटकर वध-शिला पर लेट गए। जब गरुड़ आए, तो वे जीमूतवाहन को उठाकर ले गए और उन्हें खाने लगे। गरुड़ ने देखा कि उनके खाने पर भी यह जीव रोने या चिल्लाने के बजाय मुस्कुरा रहा है। गरुड़ ने आश्चर्यचकित होकर उनका परिचय पूछा। जीमूतवाहन की वीरता और त्याग से प्रसन्न होकर गरुड़ ने न केवल उनके प्राण छोड़ दिए, बल्कि भविष्य में किसी भी नाग की बलि न लेने का वचन दिया। साथ ही, उन्होंने वरदान दिया कि जो भी माता इस दिन संतान की रक्षा के लिए व्रत करेगी, उसकी संतान दीघायु होगी।

महाभारत काल और भगवान कृष्ण की कथा : जितिया व्रत की एक कथा द्वापर युग से भी जुड़ती है। महाभारत युद्ध के अंत में गुरु द्रोणाचार्य की मृत्यु का बदला लेने के लिए अश्वत्थामा ने पांडवों के शिविर पर हमला कर दिया और धोखे से द्रौपदी के पांचों पुत्रों का वध कर दिया। इसके बाद अर्जुन ने अश्वत्थामा को बंदी बनाकर उसकी दिव्य मणि छीन ली। क्रोधित अश्वत्थामा ने पांडवों के वंश को समूल नष्ट करने के लिए अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्म-स्त्र चला दिया।उत्तरा का गर्भ नष्ट हो गया और बच्चा मृत पैदा हुआ। तब भगवान श्री कृष्ण ने अपने सभी पुण्यों का फल उस मृत बालक को देकर उसे दोबारा जीवित कर दिया। गर्भ में मरकर दोबारा जीवित होने के कारण उस बालक का नाम जीवित्पुत्रिका (आगे चलकर राजा परीक्षित) रखा गया। माना जाता है कि तभी से माताओं द्वारा संतान की सुरक्षा के लिए जीवित्पुत्रिका या जितिया का व्रत रखने की शुरुआत हुई।

सतपुतिया का विशेष महत्व : जितिया व्रत के पहले दिन 'नहाय-खाय' पर सतपुतिया (सरपुतिया) की सब्जी खाने का विधान इन कथाओं के संदेश से जुड़ा है। सतपुतिया के फल हमेशा गुच्छों में एक साथ उगते हैं (एक ही ढाल पर 5 से 7 फल)। लोक परंपराओं में यह गुच्छा वंश वृद्धि और संतान की लंबी आयु का प्रतीक माना जाता है। माताएं भगवान जीमूतवाहन से प्रार्थना करती हैं कि जैसे सतपुतिया के फल हमेशा गुच्छों में लहलहाते हैं, वैसे ही उनका परिवार और संतान भी हमेशा सुरक्षित, फलते-फूलते और दीघायु रहें। 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद पेट को हल्के और सुपाच्य भोजन की जरूरत होती है, जिसमें यह बेहद फायदेमंद है। इसमें प्रचुर मात्रा में पानी, फाइबर, आयरन और विटामिन पाए जाते हैं जो शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं।

तैंतीस हजार फीट की ऊँचाई पर कैप्टन स्मित का ऐतिहासिक शौर्य

ऐसे में यदि कैप्टन स्मित अंतिम क्षणों में साहस का परिचय देकर कॉकपिट का आपातकालीन दरवाजा न अनलॉक करते, तो बाहर मौजूद केबिन क्रू और यात्रियों को कभी भी यह अहसास नहीं हो पाता कि कॉकपिट के भीतर कितना भयानक खेल खेला जा रहा है और विमान तेजी से जमीन की ओर क्यों गिर रहा है।

दुई से तेल अवीव की ओर उड़ान भरते फ्लाईडुबई के विमान संख्या एफजेड 1073 के भीतर तैंतीस हजार फीट की अभूतपूर्व ऊँचाई पर जो दिल नहला देने वाली अप्रत्याशित घटना घटी, उसने न केवल समूचे वैश्विक विमानन जगत की सुरक्षा व्यवस्था की चूल्हे हिला दी हैं, बल्कि मानव इतिहास में अदम्य साहस, असाधारण प्रत्युत्पन्नमति और सर्वोच्च कर्तव्यनिष्ठा की एक ऐसी स्वर्णिम इबारत भी लिख दी है जिसे आने वाली सदियों अत्यंत गर्व के साथ याद रखेंगी।

डॉ दीपक कोहली

शून्य से कई डिग्री नीचे के तापमान और हवा के प्रचंड दबाव के बीच जब कॉकपिट की संकीर्ण परिधि में मृत्यु साक्षात अट्टहास कर रही थी, तब भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह लहलुहान अवस्था में भी अपने जीवन की अंतिम सांस तक संघर्ष करते हुए एक भीषण त्रासदी को टाला, उसने यह साबित कर दिया कि जब इंसान का संकल्प और कर्तव्यबोध अटूट हो, तो भयानक से भयानक विपत्ति भी उसके आगे घुटने टेकने पर मजबूर हो जाती है। सह-पायलट के रूप में साथ बैठे व्यक्ति द्वारा अचानक किए गए हिंसक जानलेवा हमले और विमान को जानबूझकर तेज गति से नीचे की ओर धकेल कर भीषण तबाही में बदलने की आत्मघाती साजिश के बीच कैप्टन स्मित ने जिस अद्वितीय वीरता का परिचय दिया, उसने विमान में सवार एक सौ सौ चोहतर से अधिक निदोष यात्रियों और क्रू सदस्यों के जीवन की रक्षा तो की ही, साथ ही गगन की गहराइयों में मानवता की विजय का एक अमर जयघोष भी किया।

इस समूचे घटनाक्रम को यदि दैनिक जीवन और अंतरराष्ट्रीय उड्डयन सुरक्षा के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो यह केवल एक सनकी व्यक्ति की आपराधिक करतूत या एक पायलट के त्वरित प्रत्युत्तर का सामान्य विवरण भर नहीं है, बल्कि यह संकट प्रबंधन, असीम शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति और अंतर-सांस्कृतिक एकजुटता का वह अनुपम उदाहरण है जो यदा-कदा ही देखने को मिलता है। मध्य आकाश में जब विमान पूरी तरह स्वचालित या अर्ध-स्वचालित प्रणालियों के सहारे अपनी निर्धारित गति से बड़ रहा था, तब किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि कॉकपिट की सुरक्षा के लिए बने अभेद्य सुरक्षा किलों के भीतर से ही कोई काल बनकर उभर आएगा। सह-पायलट के सिर पर सवार हुए चरमपंथी अथवा विक्षिप्तता के भूत ने जिस क्षण विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर उसे जानबूझकर गहरी गिरावट की ओर मोड़ा, उसी क्षण कॉकपिट के भीतर का वातावरण किसी भयावह दुःस्वप्न में बदल गया। अचानक हुए इस तीखे हमले में कैप्टन स्मित गंभीर रूप से घायल हो चुके थे, उनके शरीर से अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था और शारीरिक वेदना अपने चरम पर थी, किंतु ऐसे संकट के समय में भी उनका मस्तिष्क और विवेक पूरी तरह जागृत था। एक सामान्य मानव स्वभाव ऐसी स्थिति में भयभीत होकर आत्मसमर्पण कर सकता था या अपनी जान बचाने के लिए रक्षात्मक मुद्रा में आ सकता था, लेकिन कैप्टन स्मित ने अपने व्यक्तित्व अस्तित्व और पीड़ा को एक तरफ रखते हुए केवल उन सैकड़ों जिंदगियों के बारे में सोचा जो उनके निर्णयों पर टिकी हुई थीं। कैप्टन स्मित द्वारा लहलुहान अवस्था में भी हमलावर सह-पायलट से लगातार जुझते रहना और उसी घमासान के बीच एक-एक सैकंड का सही उपयोग करते हुए कॉकपिट का सुरक्षित लॉक खोल देना, उनकी रणनीतिक

दूरदर्शिता और असाधारण सूझबूझ को दशार्ता है। ग्यारह सितंबर के कुख्यात आतंकवादी हमलों के पश्चात दुनिया भर में नागरिक विमानन के नियमों को सख्त करते हुए कॉकपिट के दरवाजों को इस तरह डिजाइन किया गया था कि बाहर से कोई भी अर्वांछित व्यक्ति या उपद्रवी किसी भी सूरत में अंदर प्रवेश न कर सके। लेकिन सुरक्षा की यही अभेद्य दीवार उस दिन एक दोधारी तलवार बन चुकी थी, क्योंकि खतरा बाहर से नहीं बल्कि अंदर से पैदा हुआ था। ऐसे में यदि कैप्टन स्मित अंतिम क्षणों में साहस का परिचय देकर कॉकपिट का आपातकालीन दरवाजा न अनलॉक करते, तो बाहर मौजूद केबिन क्रू और यात्रियों को कभी भी यह अहसास नहीं हो पाता कि कॉकपिट के भीतर कितना भयानक खेल खेला जा रहा है और विमान तेजी से जमीन की ओर क्यों गिर रहा है। उनके द्वारा खोले गए उस एक दरवाजे ने बाहर मौजूद ऑफ-ड्युटी पायलटों, सजग क्रू मेंबर्स और यात्रियों को अंदर घुसने और हमलावर को काबू में करने का वह जीवनरक्षक मार्ग प्रदान किया जिसने इतिहास की एक सबसे दर्दनाक हवाई दुर्घटना को एक अभूतपूर्व विजय गाथा में तब्दील कर दिया।

इस पूरी घटना का एक अत्यंत सुंदर और प्रेरणादायक पहलू वह वैश्विक मानवीय एकजुटता भी है जो संकट के उस महा-समुद्र में स्वतःस्फूर्त होकर उभरी। जब कॉकपिट का दरवाजा खुला और भीतर का भयावह दृश्य सामने आया, तब जातीय, राष्ट्रीय, धार्मिक और वैचारिक सीमाओं से परे हटकर यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने एक जैसा साहस दिखाया। भारतीय कैप्टन के बहते खून और उनके अदम्य संघर्ष को देखकर इजराइली, यूरोपीय और अन्य देशों के यात्रियों ने बिना एक पल की देरी किए कॉकपिट में प्रवेश किया और हमलावर सह-पायलट को दबोच लिया। यह दृश्य इस बात का सजीव प्रमाण है कि जब मानवता पर कोई

पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही श्राद्ध है

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है।

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिले हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की

रमेश सरर्फ धमोरा

शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-

मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के लिए एक कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम्, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-वर्क्षणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायात भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई

पेरेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशावाद प्राप्त होता है। ०ाश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आयापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जो तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उध्वंमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को प्राप्त होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएँ हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा

काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कौन्दि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इन्में पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका उत्पन्न करना में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निधनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार द्दिद व्यक्ति के ऋण मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिखालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिते हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है लेकिन बिहार के गयाजी का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

विश्व बदल रहा है, भारत को अपने आर्थिक विकल्प बढ़ाने होंगे

कि सी बड़ी अर्थव्यवस्था की ब्याज दरें वैश्विक पूंजी का रुख बदलने लगे और शक्तिशाली देश की व्यापार नीति विश्व के कई देशों को प्रभावित करने लगे, तब असल परीक्षा हर उस देश के लिए होती है, जिसे अपनी अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से चलाना भी है और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए भी रखना है। भारत भी इन दिनों कुछ इसी तरह की परिस्थितियों से गुजर रहा है। देश के सामने यही सबसे बड़ा आर्थिक चिंता का कारण यही है कि उसकी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को अब अपनी गति के साथ अपनी सुरक्षा, प्रतियस्धा और रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रतियस्धा और रणनीतिक स्वायत्तता के साथ निरंतर मजबूत बनाकर सारा जाए। वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा ने इसी बदलते परिदृश्य की ओर संकेत करते हुए कहा है कि कोविड के बाद मिली विकास उपलब्धियों को सहज मानकर आगे बढ़ने का समय समाप्त हो चुका है। भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण, वैश्विक ब्याज दरें, पूंजी प्रवाह, आपूर्ति व्यवधान और मुद्रास्फीति जैसे कारक लगातार आर्थिक निर्णयों की परीक्षा ले रहे हैं। ऐसे में भारत को व्यापार-अनुकूल व्यवस्था से आगे

बढ़कर प्रतिस्पर्धा-अनुकूल अर्थव्यवस्था का निर्माण करना होगा। वस्तुतः इसी में भारत की अगली आर्थिक यात्रा का मूल छिपा है। विकास दर अर्थव्यवस्था की गति बताती है, उसकी संपूर्ण शक्ति का परिचय नहीं देती। स्थायी आर्थिक शक्ति के लिए बेहतर शासन, तेज निर्णय प्रक्रिया, नवाचार, उत्पादकता, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और वैश्विक बाजारों में भारतीय कंपनियों की मजबूत उपस्थिति जरूरी है। आर्थिक समीक्षा ने भी राज्य की बढ़ी हुई क्षमता और बेहतर शासन को प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के प्रमुख शर्त माना है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत की आर्थिकी को संस्थागत क्षमता पर केंद्रित होना चाहिए, जिसमें कि ऊर्जा सुरक्षा इस चुनौती का सबसे संवेदनशील पक्ष है।

उल्लेखित है कि भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। समुद्री मार्ग में व्यवधान अथवा कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि का असर परिवहन, उद्योग, बिजली, उपभोक्ता बाजार और मुद्रास्फीति पर पहुंचता है। ऐसे समय में किसी एक श्रोत पर अत्यधिक निर्भरता आर्थिक जोखिम को बढ़ा सकती है, इसलिए ऊर्जा आपूर्ति

का बहुस्रोतीकरण और वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग आर्थिक नीति के स्थायी हिस्से बनने चाहिए। इसी सोच का विस्तार निर्यात बाजारों तक होता है। कहना होगा कि भारत के लिए अमेरिका अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। वहां भारतीय दवाइयों, वस्त्रों, रब एवं आभूषणों तथा विभिन्न विनिर्मित वस्तुओं की मांग भारतीय उद्योगों और रोजगार से सीधे जुड़ी हुई है। उसका असर उत्पादन केंद्रों, छोटे उद्यमों, श्रमिकों और स्थानीय अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है।यहां से निर्यात विविधीकरण का महत्व सामने आता है। क्योंकि अमेरिका ने जिस तरह से टैरिफ के नाम पर भारत समेत दुनिया के देशों पर अपना दबाव बनाना जारी रखा है, उसे देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि भारत अपने लिए अधिकतम निर्यात के अवसर तलाशे।

इस संबंध में जैसा कि ज्ञात है, यूरोपीय संघ उच्च मूल्य वाले बाजारों के लिए अवसर देता है। आसियान भौगोलिक निकटता और विनिर्माण संपर्क के कारण महत्वपूर्ण है। खाड़ी क्षेत्र भारत के लिए व्यापार, निवेश और बुनियादी ढांचे के अवसर खोलता है। अफ्रीका तेजी से उभरता उपभोक्ता बाजार है,

जबकि लैटिन अमेरिका भारतीय ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि-रसायन और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए नए अवसर प्रस्तुत करता है। वस्तुतः इस विविधता का उद्देश्य किसी एक बाजार से दूरी बनाने के स्थान पर भारतीय व्यापार को कई बाजारों में फैलाना है, ताकि किसी एक क्षेत्र में आया इकट्ठा पूरे निर्यात ढांचे को प्रभावित करने की स्थिति तक पहुंच सके। भारत के लिए ब्रिक्स भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण आर्थिक मंच है। ब्रिक्स देशों के बीच माल व्यापार दो दशकों में 13 गुना बढ़कर 1.17 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। अब आवश्यकता ऐसे सहयोग की है, जो घोषणाओं से आगे बढ़कर सीमा शुल्क संधार, व्यापार वित्त, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल दस्तावेजीकरण और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में छोटे उद्यमों की भागीदारी तक पहुंचे।यहां भारत के एमएसएमई क्षेत्र की भूमिका निर्णायक भी हो सकती है। जिसमें कि भारत वैश्विक बाजार की दृष्टि से अभी भी पिछड़ा हुआ है। इस मामले में हमें चीन से सीखना चाहिए, जो अपने उद्योगपतियों को विदेश में सफल होने, उनके माल को विश्व के 192 देशों तक

पहुंच बनाने के लिए अलग से अनेक प्रयास करता है। हालांकि भारत भी इस दिशा में गे बढ़ रहा है, किंतु उसकी वैसी आक्रामक शैली नहीं, जैसी चीन अपनाए हुए है, इसलिए भारत की वैश्विक आर्थिक क्षमता का वास्तविक विस्तार तब होगा, जब छोटे और मध्यम उद्यम अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के स्थायी भागीदार बनेंगे। वित्त, तकनीक, बाजार और प्रमाणन से जुड़ी बाधाओं को घटाकर उन्हें वैश्विक उत्पादन नेटवर्क से जोड़ना जरूरी है। इससे रोजगार, निर्यात और स्थानीय उत्पादन क्षमता तीनों को मजबूती मिल सकती है।

इसके साथ तकनीक भी आर्थिक प्रतिस्पर्धा का केंद्रीय आधार बन रही है। भारत की डिजिटल उत्पादन सार्वजनिक अवसरचना, डिजिटल भुगतान, सूचना प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप क्षमता को वैश्विक साझेदारियों से अधिक से अधिक जोड़ा जाना चाहिए। कुछ प्रयास पिछले दिनों शुरू भी हुए हैं, किंतु वास्तविकता में वह सतोषजनक नहीं कहे जा सकते हैं। आज भारत के सामने अमेरिका, यूरोपीय संघ, आसियान, खाड़ी, जी20, ब्राड और ब्रिक्स जैसे अनेक मंच हैं।

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मेट्रो रेज की ओर से स्वताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website** :

www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

गांधी चौक से नमामि गंगे घाट तक निकली स्वच्छता जागरूकता रैली

श्रमदान शपथ व हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से दिया स्वच्छ साहिबगंज का संदेश

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर आज साहिबगंज में ह्मस्वच्छता ही सेवाह्म अभियान के तहत स्वच्छता एवं जनभागीदारी पर केद्रित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करते हुए लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी एवं सामूहिक सहभागिता की भावना को और सुदृढ़ करना रहा।कार्यक्रम की शुरुआत गांधी चौक, साहिबगंज स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे एवं उपस्थित वरीय पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। इस अवसर पर राष्ट्रपिता के सत्य, अहिंसा, र्वच्छता एवं सेवा के संदेश को आत्मसात करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

इसके उपरांत उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे ने हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता जागरूकता रैली को रवाना किया। उपायुक्त के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कर्मियों एवं प्रतिभागियों

गांधी जयंती पर दुर्गा टोला पंचायत में पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प



साहिबगंज:बोरियो प्रखंड के दुर्गा टोला पंचायत स्थित पंचायत कार्यालय में गुरुवार को गांधी जयंती के अवसर पर देव रामायण संस्थान की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम मुखिया केशी पहाड़िण एवं प्रधान गंगु पहाड़िया की अध्यक्षता में हुआ।इस दौरान पंचायत परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।संस्थान की अध्यक्ष माला कुमारी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर पौधरोपण कर स्वच्छ एवं हरित

समाज का संदेश दिया गया है।उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं,बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।वहीं सचिव देव कुमार यादव ने कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं।संस्थान आगे भी ग्रामीण क्षेत्रों में पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाता रहेगा।कार्यक्रम में ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।मौके पर राँकी पंडित,सुरेन्द्र साहा,मनीषा कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बरहरवा काँग्रेस कार्यालय में श्रद्धा से मनाई गई गांधी-शास्त्री की जयंती



साहिबगंज/बरहरवा:राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बरहरवा प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर अध्यक्ष मनोज घोष के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार से पूरी दुनिया को शांति और मानवता का मार्ग दिखाया। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपनी सादगी, ईमानदारी, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रसेवा से देश के सार्वजनिक जीवन में एक आदर्श स्थापित किया। दोनों महान विभूतियों का जीवन आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।उन्होंने कहा कि गांधी जी का सत्य और अहिंसा तथा शास्त्री जी का राष्ट्र के प्रति समर्पण केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि वर्तमान समय में भी समाज और देश को सही दिशा देने वाले मूल्य हैं। उनके आदर्शों को आत्मसात कर संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रहित की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जबकि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कमल आर्य ने भी महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सामाजिक एकता का संदेश दिया, जबकि शास्त्री जी ने सादगी, अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को अपने सार्वजनिक जीवन का आधार बनाया। आज की पीढ़ी को इन दोनों महापुरुषों के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध अहिंसक संघर्ष और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वहीं लाल बहादुर शास्त्री का जीवन यह संदेश देता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति, ईमानदारी और संकल्प के साथ देश की सेवा की जा सकती है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने तथा देश में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भोलानाथ महतो, अरुन्धी आनंद, संतोष झा, नेहाल अख्तर, नितय सरकार, शारिक रबानी, राजू, बिष्णु मॉल, सत्यम यादव, आलमगंीर मंसूरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।



स्वच्छता शपथ और हस्ताक्षर अभियान

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।इसके साथ ही ह्मस्वच्छ एवं सुंदर साहिबगंजह्म के संकल्प को जनभागीदारी से मजबूत करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। पदाधिकारियों, कर्मियों एवं प्रतिभागियों ने हस्ताक्षर कर स्वच्छता के प्रति अपनी व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रतिबद्धता दर्ज कराई।

ने गांधी चौक से नमामि गंगे घाट तक रैली में सहभागिता की। रैली के माध्यम से आमजनों को सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित प्रबंधन करने तथा स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने

का संदेश दिया गया।

श्रमदान से दिया स्वच्छता का संदेश

साहिबगंज : सेवा संकल्प अभियान के तहत दो दिवसीय दौरे पर साहिबगंज पहुंचे सूबे के प्रथम मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को निमाणांधीन साहिबगंज-मनिहारी गंगा पुल का निरीक्षण किया।इसके बाद निर्माण स्थल पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कई ऐसे कार्य हुए हैं,जिन्हें कभी असंभव माना जाता था।बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व के कारण कश्मीर से अखुच्छेद 370 हटना,तीन तलाक जैसी प्रथा के खिलाफ कानून बनाना तथा अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण जैसे लंबे समय से लंबित कार्य पूरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश में लगातार आतंकवादी घटनाएं होती थीं,लेकिन केंद्र सरकार ने

सातगाछी पंचायत भवन में गांधी जयंती पर स्वच्छता जनभागीदारी का संकल्प

साहिबगंज/बरहरवा : सातगाछी पंचायत के पंचायत भवन में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता,साफ-सफाई और जनभागीदारी को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत सचिव अरुण साह ने की।कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव हिरालाल साह उपस्थित रहे।उन्होंने पंचायत भवन में महात्मा गांधी के विचारों और उनके स्वच्छता एवं आत्मनिर्भर गांव की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों से गांधी जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

इस दौरान पंचायत के जनप्रतिनिधियों आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका,स्वयं सहायता समूह की महिलाओं,युवाओं एवं ग्रामीणों ने स्वच्छ पंचायत, स्वस्थ पंचायत और सुंदर पंचायत बनाने का संकल्प लिया।पंचायत क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई,नालियों की सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था,सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा नहीं जमा होने देने तथा प्रत्येक परिवार को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में महिलाओं,एसएचजी सदस्यों,युवाओं और बच्चों की स्वच्छता अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही गई।ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सभी लोग मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।कार्यक्रम में मुखिया आलोक सोरेन,उपमुखिया ताशु,पूर्व मुखिया माटल टुडू, जलसहिया,आंगनबाड़ी सेविका, समिति सदस्य गणेश रविदास, रोजगार सेवक देवाशीष दास,वारड सदस्य संजय सहा,विकास कुशवाहा, परमिट तिवारी,लाल घोष,बशीर शेख सहित पंचायत के अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

झारखंड

झंझरी पुल के पास रेल पटरी से 10 मीटर से भी कम दूरी पर पहुंची गंगा डीआरएम ने लिया जायजा



साहिबगंज : साहिबगंज-बरहरवा रेलखंड पर सकरीगली और महाराजपुर के बीच झंझरी पुल के समीप गंगा का तेज बहाव रेलवे के लिए गंभीर चुनौती बन गया है।भीषण कटाव के चलते नदी और रेल पटरी के बीच की दूरी 10 मीटर से भी कम रह गई है।नदी की गहराई करीब 14 से 15 मीटर बताई जा रही है।कटाव की स्थिति को देखते हुए रेलवे ने बचाव कार्य तेज कर दिया है।मालदा और हावड़ा मंडल के 100 से अधिक इंजीनियर और मजदूर पिछले चार दिनों से दिन-रात कटावरोधी कार्य में जुटे हैं।शुक्रवार को मालदा मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा अधिकारियों से बचाव एवं सुरक्षा कार्यों की जानकारी ली।गंगा की तेज धारा के बीच रेल पटरी को सुरक्षित रखना रेलवे के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।वहीं, रेल परिचालन प्रभावित होने से पिछले चार दिनों से यात्री ट्रेनों के बंद रहने के कारण यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।फिलहाल रेलवे का कड़ा फोकस कटाव पर नियंत्रण पाने और रेलखंड की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर है।डीआरएम ने साफ कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है,इसलिए ट्रेनों के सामान्य परिचालन को तारीख अभी बताना जल्दबाजी होगी।जलस्तर घटने और ट्रैक सुरक्षित होने के बाद ही आगे का फैसला लिया जाएगा।

असंभव कार्यों को संभव कर दिखा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : बाबूलाल मरांडी



25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश के करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।गरीबों के कल्याण के लिए शौचालय,उज्ज्वला,आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना सहित कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है।

आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया।सर्जिकल स्ट्राइक,एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर इसके उदाहरण हैं।गंगा पुल से नॉर्थ-ईस्ट तक बेहतर हागी कनेक्टिविटी नेता प्रतिपक्ष ने कहा

साहिबगंजवासियों का वर्षों पुराना सपना हो रहा साकार

उन्होंने कहा कि साहिबगंज के लोगों का वर्षों पुराना सपना था कि साहिबगंज से मनिहारी के बीच गंगा नदी पर पुल का निर्माण हो।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सपना अब साकार होने की दिशा में है।पुल का निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे।मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम कुमार यादव,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी,झारखंड नमामि गंगे प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजेश मंडल,धर्मेन्द्र कुमार,रामानंद साह,मनोज यादव,प्रेमलाल मंडल,अनुराग कुमार,यशवंत पासवान,बिंकी कुमार,श्रवान कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

साहिबगंज एवं संताल पराना का सीधा संपर्क बिहार के कई जिलों के साथ-साथ नॉर्थ-ईस्ट के क्षेत्रों से भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र के विकास और आवागमन के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।



साहिबगंज:गांधी जयंती के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सदर प्रखंड अंतर्गत संचालित कुपोषण उपचार केन्द्र में भर्ती बच्चों के साथ आने वाली माताओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विशेष पहल की गई।सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान के निर्देश पर माताओं को कढ़ाई, सिलाई एवं बुनाई का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ताकि वे हुनर को स्वरोजगार का माध्यम बनाकर अपने

परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें। इस पहल में मुख्य प्रशिक्षक श्रीमती इंद्रा देवी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. महमूद आलम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। यह पहल स्वास्थ्य के साथ हुनर, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

न्यूज IN बीफ

सामूहिक प्रयासों से गांवों को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की दिशा में पहल



साहिबगंज : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आज राजमहल प्रखंड की सभी 23 पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभाओं में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, पेयजल एवं स्वच्छता और भू-राजस्व विभाग के प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी-कर्मियों ने सहभागिता करते हुए ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।विशेष ग्राम सभा के दौरान विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगारआजीविका मिशन के तहत रोजगार, आजीविका एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के चयन और क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। पंचायत गुणिहारी में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, राजमहल श्री गगन बापु ने ग्रामीणों को बताया कि योजना के तहत एक वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी के साथ जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका तथा मौसम एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों की सहभागिता, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजना चयन और सामूहिक प्रयासों से गांवों को आत्मनिर्भर व विकसित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अखिल कुमार का साहिबगंज आगमन

साहिबगंज:झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश महोदय श्री अखिल कुमार के साहिबगंज आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से गरिमापूर्ण एवं आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त दीपक कुमार दूबे पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार सिंह सहित जिले के वरीय पदाधिकारियों ने माननीय न्यायाधीश महोदय का सादर अभिनंदन किया। न्यायाधीश महोदय के सम्मान में पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान न्यायिक गरिमा, प्रशासनिक समन्वय एवं अनुशासन का विशेष परिचय देखने को मिला।इस अवसर पर न्याय प्रशासन, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर लोजपा कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि



साहिबगंज:लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नगर अध्यक्ष नितेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में देर शाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और उनके आदर्शों को याद किया।नगर अध्यक्ष नितेश कुमार गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के माध्यम से देश को नई दिशा दी,जबकि लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी,ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की मिसाल कायम की। उनके विचार आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणादायी हैं।वहीं महिला नगर अध्यक्ष माधुरी कुमारी ने कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी का जीवन त्याग,अनुशासन और देशभक्ति का प्रतीक है।युवाओं और महिलाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।इस अवसर पर पार्टी के ताला टूडू,जाहिद अंसारी,मो सोहल,मंजू शर्मा,स्वेता कुमारी अर्चना देवी,विजय आनंद,विजय साह सहित कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

गिरफ्तार व्यक्ति के पास से चोरी के दो मोबाईल बरामद



साहिबगंज/बरहरवा: बरहरवा रेलवे स्टेशन में सो रहे यात्रियों का मोबाइल चोरी करने वाले एक युवक को आरपीएफ ने जाल बिछाकर तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से चोरी की गई दो मोबाइल भी बरामद किया गया। इसकी जानकारी प्रेस वार्ता कर देते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि आरपीएफ टीम बरहरवा से तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर गश्त एवं निगरानी ड्यूटी पर थे। गश्त के दौरान जब हमलोग तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय की जांच कर रहे थे, तो वहां एक व्यक्ति सदिग्ध अवस्था में बैठा हुआ दिखाई दिया। उक्त व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम शैलेन्द्र मंडल, उम्र 59 वर्ष, पिताहत्तवर्गीय वासुदेव मंडल, निवासीहर्मडपारा, थाना एवं जिलाहगोड़ा, झारखंड बताया। वहीं पूछताछ के दौरान इधर-उधर की बातें कर रिंगिंग पार्टी को गुमराह करने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर तलाशी के दौरान उसके बैग के अंदर पकड़े में लिपटे हुए दो मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें एक मेससंग कंपनी का तथा दूसरा रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन था। पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति ने बताया कि उसने दोनों मोबाइल फोन रात्रि के समय बरहरवा रेलवे स्टेशन पर सो रहे यात्रियों से चोरी किए थे। उसने आगे बताया कि चोरी करने के बाद वह उसी रात जमालपुर सुपर ट्रेन से तीनपहाड़ आया था तथा डर के कारण स्टेशन से बाहर चला गया था। बाद में दिन में खाना खाने के पश्चात वह पुनः तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय में सोने के लिए आया था। जहां आरपीएफ ने उसे पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद सहायक उपनिरीक्षक जलेश्वर कुमार दुबे द्वारा नियमानुसार जल्द किया गया और लिखित शिकायत और जवाब दोनों मोबाइल फोन के साथ उक्त गिरफ्तार व्यक्ति को जीआरपी बरहरवा को सुपुर्द कर दिया गया।



एशियन खेल 2026 : श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को हराकर जीता कांस्य

निशिन। श्रीलंका ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 63 रन से हराकर एशियाई खेल 2026 में पुरुष क्रिकेट का कांस्य पदक जीत लिया। इस जीत के साथ श्रीलंका के एशियाई खेलों के पदकों की संख्या तीन हो गई है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम पांच ओवर के अंदर 21 रन पर चार विकेट गंवा बैठी। बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजों ने पिच से मिल रही टर्न और उछाल का भरपूर फायदा उठाया और श्रीलंकाई बल्लेबाजी पर दबाव बना दिया। इसके बाद सहान अराचिगे और अशेन बंडारा ने पारी को संभाला। हालांकि असली बदलाव थारिंदु रत्नायके के आने के बाद आया। रत्नायके ने महज 32 गेंदों पर सात चौकों और पांच छकों की मदद से 65 रन की



तूफानी पारी खेली। उनके आक्रामक बल्लेबाजी ने श्रीलंका को 51 रन पर चार विकेट की मुश्किल स्थिति से उबारकर 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन तक पहुंचाया। अराचिगे ने 37 गेंदों पर 33 रन की संयमित पारी खेली। रत्नायके ने सिर्फ 26 गेंदों

पर अपना अर्धशतक पूरा किया। श्रीलंका ने शुरुआती झटकों के बाद अंतिम 15 ओवर में 114 रन जोड़े। 166 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत भी बेहद खराब रही। नुवान तुषारा ने पहले ही ओवर में विकेट मेडन डालते हुए सैफ

हसन को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद रत्नायके ने तंजीद हसन तमीम को पवेलियन भेजा, जबकि तुषारा ने सटीक यॉर्कर पर लिटन दास को भी शून्य पर आउट कर दिया। चौथे ओवर की समाप्ति तक बांग्लादेश का स्कोर 18 रन पर

चार विकेट हो गया। तौहीद हदोय ने छह गेंदों पर 11 रन बनाकर कुछ प्रतिरोध की कोशिश की, लेकिन वह भी रत्नायके का शिकार बन गए। इसके बाद विजयकांत वियास्कांत और वानुजा सहान ने स्पिन के जरिए बांग्लादेश की मुश्किलें और बढ़ा दीं। वियास्कांत ने लगातार दो गेंदों पर परवेज हुसैन इमोन और मेहदी हसन को आउट किया। वहीं सहान ने रिशाद हुसैन और यासिर अली को पवेलियन भेजा। यासिर अली ने 16 गेंदों पर 21 और रिशाद हुसैन ने पांच गेंदों पर 10 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बांग्लादेश की पारी संभल नहीं सकी। नासुम अहमद ने 28 गेंदों पर 26 रन की सर्वाधिक पारी खेली, लेकिन 18वें ओवर में उनके आउट होते ही बांग्लादेश की पारी 17.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की ओर से नुवान तुषारा ने 18 रन देकर दो विकेट

लिए। वानुजा सहान और विजयकांत वियास्कांत को भी दो-दो विकेट मिले। बल्ले से 65 रन बनाने के साथ गेंद से शुरुआती सफलता दिलाने वाले थारिंदु रत्नायके श्रीलंका की कांस्य पदक जीत के प्रमुख खिलाड़ियों में रहे। इस कांस्य पदक के साथ श्रीलंका की एशियाई खेलों में पदकों की संख्या तीन हो गई है। इससे पहले रमेश धरंगा पथिरागे ने पुरुष भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने रजत पदक हासिल किया था। संक्षिप्त स्कोर: श्रीलंका 165/9, 20 ओवर (थारिंदु रत्नायके 65, सहान अराचिगे 33; मेहदी हसन 2/19, सैफ हसन 2/28) ने बांग्लादेश 102/10, 17.3 ओवर (नासुम अहमद 26; वानुजा सहान 2/17, थारिंदु रत्नायके 2/18, नुवान तुषारा 2/18) को 63 रन से हराया।

एशियन खेल 2026

भारतीय महिला गोल्फ टीम ने रचा इतिहास, टीम स्पर्धा में पहली बार जीता रजत



आइची-नागोया। भारत की महिला गोल्फ टीम ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए पहली बार टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। प्रणवी उर्स, अदिति अशोक और दीक्षा डागर की भारतीय तिकड़ी ने संयुक्त रूप से 14 अंडर पार का स्कोर हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले प्रणवी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीता था। इस तरह आज भारत ने गोल्फ में दो रजत जीते। चीन ने 22 अंडर पार के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत ने 14 अंडर पार के साथ रजत पदक हासिल किया और इस तरह एशियाई खेलों के इतिहास में महिला टीम गोल्फ में भारत को पहला पदक मिला। प्रणवी उर्स के लिए ये एशियाई खेल खास तौर पर यादगार रहे। उन्होंने व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में 15 अंडर पार के स्कोर के साथ ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर उन्होंने एची-नागोया से दो पदकों के साथ वापसी सुनिश्चित की। प्रणवी की शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन ने भारतीय टीम को भी मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अदिति अशोक और दीक्षा डागर के साथ मिलकर उन्होंने टीम स्पर्धा में भारत को 14 अंडर पार के स्कोर तक पहुंचाया। चीन की टीम 22 अंडर पार के साथ शीर्ष पर रही। भारत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एशियाई खेलों के इतिहास में महिला टीम गोल्फ में यह देश का पहला पदक है। प्रणवी उर्स ने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ इस ऐतिहासिक अभियान को और यादगार बनाया, जबकि अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने भी रजत पदक अपने नाम किया।

कुमकुम मोहोद ने रचा इतिहास

एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

ओकाजाकी। भारत की 17 वर्षीय तीरंदाज कुमकुम अनिल मोहोद ने एशियाई खेलों में इतिहास रच दिया। कुमकुम ने शनिवार को महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले में दक्षिण कोरिया की ओ येंजिन को शूट-ऑफ में 6-5 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही वह एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। उनकी इस जीत से भारत को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए एक व्यक्तिगत कोटा स्थान भी मिला। दोनों तीरंदाजों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और पांच सेट के बाद स्कोर 5-5 से बराबर था। स्वर्ण पदक का फैसला एक तीर के शूट-ऑफ से हुआ।



आज बात तीन ऐसी फिल्मों की, जिनके लिए मेकर्स की पहली पसंद तो रणवीर कपूर थे, लेकिन बाद में रणवीर सिंह उन फिल्मों का हिस्सा बने. उन फिल्मों से रणवीर के करियर को काफी फायदा हुआ.



आमिर खान ने बताया



पहली मुलाकात में 12 साल की करीना लगी थीं बेहद क्यूट

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने अभिनेत्री करीना कपूर खान के साथ अपनी पहली मुलाकात का दिलचस्प किस्सा शेयर किया। आमिर ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार करीना को देखा था, तब वह महज 12 साल की थीं और उन्हें बेहद क्यूट लगी थीं। 'कॉफी विद करण' शो में बातचीत के दौरान करीना कपूर ने आमिर खान से पूछा, 'मेरे बारे में आपका पहला इंप्रेशन क्या था?' इस पर आमिर ने कहा, 'मुझे याद है कि 12 साल की एक बहुत प्यारी-सी लड़की 'अंदाज अपना अपना' के सेट पर बैठी रहती थीं। वह अपनी बहन करिश्मा कपूर के साथ आती थीं और हमें बड़े ध्यान से देखती रहती थीं। मुझे वह बहुत क्यूट लगी थी। बातचीत के दौरान आमिर ने करीना से भी पूछा कि उनकी कौन-सी आदत उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करती है।

तीन हिट को ठुकराया और... रणवीर की वजह से चमक गई रणवीर की किस्मत

रणवीर कपूर हिंदी सिनेमा के वर्सेटाइल एक्टर्स में से एक हैं। किरदार कोई भी हो, जब वो उसे निभाते हैं, तो बस ऐसा लगता है कि वो कैरेक्टर उनके लिए ही बना था। वो किरदार को निभाते नहीं, बल्कि जीते हैं। 'रॉकस्टार', 'बफी', 'संजू' समेत और भी कई फिल्मों के जरिए उन्होंने अपना नाम शानदार अभिनय का लोहा मनवाया है। रणवीर ने जहां एक तरफ ढेरों बेहतरीन फिल्मों की हैं, तो वहीं दूसरी तरफ उन्होंने कई बड़ी फिल्मों के ऑफर ठुकराए भी हैं। रणवीर कपूर ने अपने करियर में तीन ऐसी फिल्मों रिजेक्ट की हैं, जिनके जरिए रणवीर सिंह छ गए. तीन में से एक रणवीर को डेब्यू फिल्म भी है. आज यानी 28 सितंबर को रणवीर का 44वां बर्थडे है. इस मौके पर चलिए आपको रणवीर सिंह की उन तीन फिल्मों के बारे में बताते हैं, जिनके लिए पहली पसंद रणवीर थे.

बैंड बाजा बारात
रणवीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'सावरिया' से डेब्यू किया था. उसके तीन साल के बाद 2010 में रणवीर सिंह फिल्म इंडस्ट्री में आए. उनकी पहली पिक्चर डून्नम्र की 'बैंड बाजा बारात' थी. हालांकि, इस फिल्म का ऑफर पहले रणवीर को मिला था. उन्होंने रिजेक्ट कर दी थी.

दिल धड़कने दो
लिस्ट में अगला नाम डायरेक्टर जोया अख्तर की फिल्म 'दिल धड़कने दो' का भी है. रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा, अनिल कपूर, फरहान अख्तर जैसे स्टार्स इस फिल्म का हिस्सा थे. रणवीर ने इसमें कबीर मेहरा का रोल किया था, लेकिन रिपोर्ट की मानें तो इस रोल के लिए जोया ने पहले रणवीर को अप्रोच किया था.

गली बॉय
अगली पिक्चर भी जोया अख्तर की ही है. नाम 'गली बॉय', जो 2019 में आई थी. रणवीर ने इसमें मुराद नाम का कैरेक्टर प्ले किया था. इस रोल का ऑफर पहले रणवीर को मिला था. हालांकि, उनके मना करने के बाद रणवीर इस फिल्म का हिस्सा बने. इन तीनों ही फिल्मों की गिनती रणवीर के करियर की बेहतरीन फिल्मों में होती है. अगर रणवीर 'बैंड बाजा बारात' का हिस्सा बन जाते, तो रणवीर को डेब्यू के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ता.

डॉटर्स डे

कृति सेनन का डॉटर्स डे नोट एक दिन ऐसा हो जब डर के बिना जी सकें बेटियां...



डॉटर्स डे पर कृति सेनन ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर तीखा सवाल उठाया. बिहार और दिल्ली में सामने आए हालिया मामलों के बीच उनके भावुक नोट ने लोगों का ध्यान खींचा. देश में महिलाओं और नाबालिग लड़कियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं. बिहार के जमुई और समस्तीपुर से सामने आए मामलों और दिल्ली में 17 साल की लड़की से जुड़े कथित गैंगरेप के बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने डॉटर्स डे पर ऐसा सवाल उठाया, जो सीधे हर माता-पिता की चिंता से जुड़ा है. उन्होंने अपनी पोस्ट में बेटियों की आजादी और सुरक्षा को लेकर समाज से सोचने की अपील की.

गुरु प्रतीक संग बने विनर, ?15 लाख प्राइज भी

रायपुर के रितेश पाल ने जीती 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' की ट्रॉफी

‘इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5’ का ग्रैंड फिनाले आखिरकार खत्म हुआ और रितेश पाल ने चमचमाती ट्रॉफी उठाई । वो शो के विनर बने । उनके कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर ने भी उनका पूरा साथ दिया । रितेश ने सभी जजों का धन्यवाद किया और खिताफ अपने नाम किया ।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में 'इंडिया वाला डांस' थीम पर महीनों तक शानदार परफॉर्मेंस और यादगार डांस पलों के बाद, रायपुर के रितेश पाल और उनके कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर इस सीजन के विनर बने। शुरुआत से ही, रितेश का सफर उनके जुनून, अलग-अलग तरह के डांस करने की काबिलियत और पक्के इरादे के कारण खास रहा। उन्होंने लगातार अपनी सीमाओं को चुनौती दी, इस सीजन में तीन बार मशहूर 'बैटल ट्रॉफी' जीती और अपनी दमदार और बेहतरीन डांस परफॉर्मेंस के लिए तारीफें बटोरें। इस सफर ने उन्हें अपने कम्पर्ट जोन से बाहर निकलने, अलग-अलग डांस स्टाइल आजमाने और एक परफॉर्मर के तौर पर अपनी काबिलियत दिखाने की चुनौती भी दी। अपने शानदार टैलेंट, लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और लगन के दम पर यह जोड़ी विजेता बनकर उभरी और एक रोमांचक ग्रैंड फिनाले के बाद मशहूर ट्रॉफी अपने नाम की। रितेश पाल का सफर एक शानदार फिनाले के साथ पूरा हुआ, जहां उन्होंने और उनके कोरियोग्राफर प्रतीक ने बाकी फाइनलिस्ट - दिपाली बोरकर, प्रथमेश माने, अशिका धारा और गीतांजलि



मारवाह - के साथ मुकाबला किया। अलग-अलग डांस स्टाइल में अपनी काबिलियत दिखाते हुए, रितेश और प्रतीक ने पूरे सीजन में जजों और दर्शकों को इंप्रेस किया और आखिरकार 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' का खिताब अपने नाम किया।

'नेशनल क्रश'

तान्या मिश्रा बनीं नई National Crush of India



अपनी ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर चर्चा में हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरों और मॉडलिंग-एक्टिंग करियर लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। जॉन पुरी कहानी. मॉडल और अभिनेत्री तान्या मिश्रा इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर चर्चा में हैं। उनकी खूबसूरत तस्वीरें और स्टायलिश अंदाज फैस का ध्यान खींच रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई प्रशंसक उन्हें भारत की नई 'नेशनल क्रश' कहकर संबोधित कर रहे हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता के बीच लोग उनके मॉडलिंग करियर, फिल्मों और वेब सीरीज के बारे में भी जानना चाहते हैं। हालांकि, 'नेशनल क्रश' कोई आधिकारिक खिताब नहीं है, बल्कि फैस द्वारा दिया जाने वाला एक लोकप्रिय नाम है, जो किसी कलाकार के प्रति उनकी पसंद और उत्साह को दर्शाता है।



विक्रमशिला सेतु मेगा ब्लॉक : उफनती गंगा में थमी रफ्तार, बदला नावों का समय

भागलपुर। भागलपुर और कोसी-सीमांचल क्षेत्र की जीवन रेखा माने जाने वाले विक्रमशिला सेतु को स्थायी मरम्मत कार्य के लिए वाहनों के परिचालन हेतु पूरी तरह बंद कर दिया गया है। सड़क मार्ग ठप होने के बाद अब गंगा की लहरें ही भागलपुर और नवगछिया के बीच आवागमन का एकमात्र सहारा बची हैं। हालांकि, गंगा के बढ़ते जलस्तर और यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने नियमों और समय-सारणी में बड़ा बदलाव किया है। यात्रियों और वाहनों को सुरक्षित गंगा पार कराने के लिए जिला प्रशासन और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम ने सरकारी जहाजों को सेवा में उतारा है। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गंगा नदी में एनडीआरएफ की 5 और एसडीआरएफ की 11 विशेष बोट (कुल 16 सुरक्षा नावें) लगातार पेट्रोलिंग और स्कार्टिंग कर रही हैं। सुरक्षा कार्यों से आम और सामान्य छोटी नावों के संचालन पर जिला प्रशासन ने पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। वर्तमान में गंगा का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है और पानी का बहाव बेहद तेज है।

पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरों का विस्तार किया

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 09706/09705 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09706 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे 12 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2026 तक विस्तारित किए गए हैं। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09705 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक



जलस्तर में अचानक हुई इस वृद्धि के कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने नाव और जहाज सेवा के समय में बड़ा बदलाव किया है। नए आदेश के अनुसार, बियाड़ा, बाबूपुर और जाह्नवी चौक घाटों पर शाम 5:30 बजे के बाद किसी भी प्रकार की नाव, फेरी या कार्गो जहाज का परिचालन पूरी तरह बंद रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शाम 5:30 बजे तक जो मुसाफिर घाट परिसर में प्रवेश कर जाएंगे, केवल उन्हें ही पार कराया जाएगा। वहीं बढ़ते जलस्तर के कारण ही सबौर के बाबूपुर घाट से भारी व्यावसायिक मालवाहक (कार्गो) जहाजों के परिचालन को तीन दिनों के लिए स्थगित कर समीक्षा

के दायरे में रखा गया है। पुल बंद होने के बाद पहले ही दिन घाटों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे मुसाफिरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंगा की तेज धार और उफान के कारण जहाजों को बियाड़ा घाट से जाह्नवी चौक पहुंचने में उम्मीद से काफी अधिक समय लग रहा है। शाम के समय घाट बंद होने की समय-सीमा के कारण बियाड़ा घाट पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो रही है, जिससे अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। लगातार बढ़ रहे पानी के कारण घाटों के संपर्क पथों पर कीचड़ और जलजमाव हो गया है, जिससे पैदल चलने वाले यात्रियों को जहाजों तक पहुंचने में

भारी कठिनाई हो रही है। मुसाफिरों की इन परेशानियों को दूर करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय और एसएसपी स्वयं लगातार घाटों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। सरकार के निर्देश पर आम यात्रियों, पैदल चलने वालों, उनके सामान, साइकिल और मोटरसाइकिल के लिए यह जहाज यात्रा पूरी तरह निशुल्क (फ्री) रखी गई है। किसी भी संभावित हादसे को रोकने के लिए नवगछिया के तिनटंगा में एनडीआरएफ और भागलपुर के बियाड़ा में एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं। जहाज के रवाना होते ही सुरक्षा नावें मुसाफिरों को स्कॉर्ट करती हैं। यात्रियों की सुविधा के

लिए घाटों पर बड़े टेंट/जर्मन हैंगर पंडाल, बैटने की कुर्सियां, पर्याप्त रोशनी और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई है। दोनों ओर के घाटों पर नि:शुल्क मेडिकल कैप लगाए गए हैं। साथ ही यात्रियों के भोजन के लिए 'जीविका दीदी की रसोई' के काउंटर भी चालू कर दिए गए हैं। आपातकालीन स्थिति और किसी भी प्रकार की सहायता के लिए 24 घंटे कार्यरत जिला आपदा नियंत्रण कक्ष को एक्टिव कर हेल्युलाइट नंबर जारी कर दिए गए हैं। डीएम अलंकृता पांडेय ने कहा है कि विक्रमशिला सेतु के मेटेनेंस के कारण यातायात बंद किया गया है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। सुरक्षा के नजरिए से अधिक सुरक्षित और बड़े क्रूज

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों की कार्रवाई

11 उग्रवादी मारे गए

क्वेटा/पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों के दौरान 11 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया है। दक्षिण वजीरिस्तान में पांच और बलूचिस्तान के गोरंदर तथा मश्केल इलाकों में छह उग्रवादी मारे गए। **पाकिस्तान की उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज** : ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि दक्षिण वजीरिस्तान में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में 'फितना-अल-खवारिज' से जुड़े पांच उग्रवादियों को निशाना बनाया गया। कार्रवाई



के दौरान उनके ठिकानों को नष्ट करने के साथ हथियार और गोला-बारूद बरामद किए जाने का भी दावा किया गया। बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों ने जुड़े उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चलाया। सूत्रों

के मुताबिक, गोरंदर और मश्केल में हुई कार्रवाई के दौरान छह उग्रवादी मारे गए। मश्केल में सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, कुछ उग्रवादियों ने सुरक्षा चौकी पर गोलीबारी की और फिर भागने की

कोशिश की। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में उन्हें मार गिराने का दावा किया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों अभियानों को 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' और 'ऑपरेशन रद-उल-फितन 3' के तहत अंजाम दिया गया। सुरक्षा बलों ने देश में उग्रवाद के खिलाफ अभियान जारी रखने और स्थायी शांति के लिए प्रयास जारी रखने की बात कही। सूत्रों ने बताया कि ये अभियान 'ऑपरेशन रद-उल-फितन 3' और 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' के तहत चलाए गए। सुरक्षा बलों ने देशभर से उग्रवाद को खत्म करने और स्थायी शांति स्थापित करने के अपने संकल्प को दोहराया।

बिहार के सीतामढ़ी में बिजली के करंट की चपेट में आने से तीन की मौत, एक गंभीर

सीतामढ़ी। बिहार में सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया प्रखंड के अछ्वा पश्चिमी चकवा पंचायत स्थित तंकिया टोला (वार्ड नंबर-5) में शनिवार जंगली सुअरों से इस्लाम मंजूरी की रखवाली के लिए खेत में बिछाए गए बिजली के नंगे तारों ने तीन लोगों की जान ले ली। वहीं, इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 3 बजे तंकिया टोला निवासी मोहम्मद इस्लाम मंजूरी की भैंस खुंटे से खुल गई थी। भोर के अंधेरे में इस्लाम मंजूरी अपनी भैंस की तलाश करते हुए पास के खेतों की ओर निकल गए। भैंस को दूढ़ते हुए वे अचानक गांव के ही इंदल पासवान के धान के खेत में



दाखिल हो गए।

इंदल पासवान ने अपनी धान की फसल को जंगली सुअरों के आतंक से बचाने के लिए खेत के चारों तरफ लोहे के नंगे तारों का घेरा बनाकर उसमें सीधे बिजली का करंट प्रवाहित कर रखा था। अंधेरा होने के कारण इस्लाम मंजूरी को खेत में बिछाए गए ये तार नजर नहीं आए और वे सीधे उसकी चपेट में आ गए। करंट का झटका इतना भीषण था कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

उत्तर कोरिया ने किया मिसाइल का परीक्षण, 700 किमी से अधिक गई

सियोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार सुबह ईस्ट सी (जापान सागर) की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब अंतर-कोरियाई सीमा पर बारूदी सुरंग विस्फोट को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप : के मुताबिक, दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ (जेसीएस) ने बताया कि सुबह करीब 6:30 बजे वोनासान क्षेत्र से मिसाइल लॉन्च की गई। मिसाइल समुद्र में गिरने से पहले 700 किलोमीटर से अधिक दूरी तक गई। जेसीएस ने कहा कि मिसाइल की सटीक तकनीकी विशेषताओं और प्रकार का विश्लेषण अमेरिका के साथ मिलकर किया जा रहा है।



दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने लॉन्च के शुरुआती

चरण से ही उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रखी थी। दक्षिण कोरियाई सेना ने

कहा कि वह उत्तर कोरिया की सैन्य गतिविधियों की निगरानी कर रही है और संभावित उकसावे की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। सेना ने अभी मिसाइल के प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

दक्षिण कोरियाई सरकार के एक सूत्र के अनुसार, इसकी उड़ान विशेषताओं को देखते हुए यह मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल या इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का कम दूरी वाला परीक्षण हो सकता है। यह मिसाइल परीक्षण 21 सितंबर को डीएमजेड में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद हुआ है। दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार, हिस्फोट में उसके तीन सैनिक घायल हुए थे, जिनमें दो गंभीर रूप से घायल हुए। सियोल ने इस घटना के लिए उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया और इसे युद्धविराम समझौते का उल्लंघन

बताया। दक्षिण कोरिया ने प्योंगयांग से माफ़ी मांगने और सीमा क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ाने से रोकने की मांग की। हालांकि, उत्तर कोरिया ने इन आरोपों को खारिज किया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने अपने बयानों में घटना में प्योंगयांग की भूमिका से इनकार किया और दक्षिण कोरिया को जवाबी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने दक्षिण कोरिया के उस प्रस्ताव को भी खारिज किया, जिसमें सैन्य सीमांकन रेखा को स्पष्ट करने के लिए बातचीत की बात कही गई थी।

शनिवार को लॉन्च होते 20 सितंबर के मिसाइल परीक्षण के करीब दो सप्ताह बाद हुआ है। उस दिन उत्तर कोरिया ने वोनासान क्षेत्र से ईस्ट सी की ओर दो कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं।

न्यूज़INहीफ

थाना से फरार आरोपित गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के किरीबुरु थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस ने थाना से फरार हुए आरोपित अफताब खान उर्फ टेंगर को 72 घंटे के भीतर दोपेसारा गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को 29 सितंबर को पूछताछ के लिए थाना लाया गया था। गिरफ्तारी की प्रक्रिया के दौरान उसके हाथ में हथकड़ी लगाने के साथ रस्सी भी बांधी गई थी, लेकिन इसके बावजूद वह पुलिस को चकमा देकर थाना से फरार हो गया था। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। आरोपित के फरार होने की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक चाईबासा के निर्देश पर किरीबुरु के एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीमें ने संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी करते हुए फरार आरोपित की तलाश शुरू की। पुलिस के मुताबिक लगातार चलाए गए अभियान के दौरान आरोपी को 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर टूटी हुई हथकड़ी, कटा हुआ रस्सा और करीब ढाई फीट लंबा लोहे का सब्बल भी बरामद किया है। बरामद सब्बल को लेकर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इसका इस्तेमाल चोरी की किन घटनाओं में किया गया था। पुलिस आरोपित से किरीबुरु क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस जांच में अफताब खान उर्फ टेंगर का नाम सेल अधिकारी राहुल यादव के घर हुई चोरी के मामले में भी सामने आया है। उक्त घटना में लाखों रुपये के आभूषण, लैपटॉप, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान चोरी होने की बात सामने आई थी। आरोपित की दोबारा गिरफ्तारी के बाद पुलिस पुराने चोरी के मामलों की भी कड़ियां जोड़ने में जुटी है। आवश्यक पूछताछ और कार्रवाई पूरी करने के बाद शनिवार को पुलिस ने आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जेठ ने की महिला की कुल्हाड़ी से काटकर की हत्या

फिरोजबाद। उत्तर प्रदेश में फिरोजबाद जिले के थाना नगला खंगर क्षेत्र अन्तर्गत एक महिला की उसके रिश्ते में लगने वाले जेठ ने शुक्रवार की देर रात कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। उसका शव खेत पर मिला है। घटना के बाद से आरोपित फरार है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाई है और घटना की जांच में जुट गई। थाना नगला खंगर क्षेत्र के खेत पर कोरारी खेड़ा निवासी सोनी कश्यप (38) शुक्रवार शाम को खेत पर घास काटने गई थी। देर रात जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से सोनी की तलाश शुरू कर दी। खिलबौन के दौरान उसका शव खेत में लहलुहान अवस्था में पड़ा मिला। यह देख परिजन व ग्रामीण हैरान रह गए। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसर सूचना मिलते ही थाना पुलिस के साथ सीओ चंचल त्यागी और फोरेंसिक व डॉग स्व्वायड टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस, फोरेंसिक व डॉग स्व्वायड टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने रिस्ते के ही जेठ नेपाल सिंह पर कुल्हाड़ी से काटकर महिला की हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने उसके खिलाफ थाना में तहरीर दी है। घटना के बाद से ही आरोपित नेपाल सिंह गायब है। इस संबंध में सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी का कहना है कि महिला की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या हुई है। हत्या का आरोप रिश्ते के जेठ नेपाल सिंह पर लगा हैं। वह फरार है जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस तीन टीमें गठित की है। पुलिस संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। हत्या के पीछे क्या कारण है, इसकी जांच कर जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

जोरदार टक्कर के बाद कार और स्कूटी में लगी आग,वाहन सवार गायब

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजनादागांव जिले के डोंगरगढ़-मुरमुंदा रोड पर आज शनिवार सुबह करीब 4 बजे कार और स्कूटी के बीच जोरदार टक्कर के बाद कार में आग लग गई। साथ ही स्कूटी भी आग की चपेट में आकर पूरी तरह से जल गई। हादसे में किसी की मौत या घायल होने की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल सामने नहीं आई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया और आग बुझाई गई। हादसे के बाद सड़क पर जली कार के अवशेष और क्षतिग्रस्त स्कूटी का मंजर सामने आया। हादसे के बाद से ही कार और स्कूटी के मालिक/चालक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है और वे फिलहाल लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस द्वारा दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार में सवार लोग गोँदिया निवासी बताए जा रहे हैं। सभी राजनांदागांव से डोंगरगढ़ की ओर मा बम्बलेश्वरी के दर्शन करने के बाद गोँदिया लौट रहे थे । हालांकि कार में कितने लोग सवार थे और हादसे के बाद उनकी स्थिति क्या रही, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार कार और स्कूटी की भिड़ंत के बाद स्पाकिंग के बाद आग लगी । आग इतनी तेजी से फैली कि कार जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। क्षतिग्रस्त कार पर MH35KR5879 नंबर है। डोंगरगढ़ पुलिस वाहन के मालिक का पता लगाने और पंजीयन संबंधी जांच में जुट गई है । पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि स्कूटी किसकी है और हादसे के वक्त उसे कौन चला रहा था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों वाहनों की टक्कर किन परिस्थितियों में हुई।

कार से हूटर बजाने की वीडियो बनाने पर महिला पत्रकार को धमकी

नोएडा। थाना सेक्टर 113 के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एक महिला पत्रकार सुमन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एक न्यूज चैनल में कार्य करती हैं। वह पत्थला सीएनजी पेट्रोल पंप पर अपनी कार में सीएनजी भरवाने के लिए खड़ी थी, तभी एक गाड़ी तेज हूटर बजाते हुए कार सवार उसके आपसपास चक्कर काटने लगे। उसने उनकी वीडियो बनानी शुरू की। पीड़िता के अनुसार वह गाड़ी किसी अधिकारी और नेता की नहीं थी। लेकिन लगातार हूटर बजा रहे थे। जैसे उन्होंने अपनी कार आगे बढ़ाई तीन लड़के दुसरी कार से उतरे और उनकी कार की चाबी निकाल कर बोले की वीडियो डिलीट करो नहीं तो तुमको मार कर जाएंगे। मर्डर करना हमारे लिए कोई बड़ी बात नहीं है। हम जेल काट लेंगे। उन्होंने महिला पत्रकार की गला दबाने की कोशिश की। पीड़िता के अनुसार एक ने शराब पी रखी थी। आरोपियों ने उसका गला दबाकर जान से मारने की धमकी देते रहे। उन्होंने किसी तरह से फोन करके पुलिस को बुलाया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार में आलू बेचकर आ रहे व्यापारी को बदमाशों ने मारी गोली

बलिया। बैरिया थाना क्षेत्र के माझी पुल के पास शुक्रवार की रात बिहार में आलू बेचकर ट्रैक्टर से लौट रहे एक युवक पर बाइक सवार दो लोगों ने कथित रूप से फायरिंग कर दी। गोली लगने से युवक घायल हो गया। उसे उपचार के लिए पहले सीएचसी बैरिया ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल बलिया रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार की रात करीब 10 बजे लौला छपर थाना बैरिया निवासी बबलू कुमार गुप्ता अपने ड्राइवर रितेश यादव के साथ ट्रैक्टर से आलू बेचकर बिहार के एकमा से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान माझी पुल के पास बाइक सवार दो व्यक्ति पहुंचे। आरोप है कि बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति ने फायरिंग कर दी।



मेदिनीनगर में गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर : महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मेदिनीनगर में उनके प्रतिमाप स्थल पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर पलामू सांसद वीडी राम ने कहा कि भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सेवा के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। महात्मा गांधी का विचार युगों युगों तक देश के नागरिकों को और समाज के लोगों को प्रभावित करता रहेगा सत्य हिंसा की मार्ग नहीं पूरा विश्व को दिखाने का काम आत्मा जी ने किया है और आज इसी का परिणाम है कि सदियों की डिजाइन 10 को बीत जाने के बाद भी उनके विचार आज भी प्रासंगिक है । कार्यक्रम में सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अमित कुमार तिवारी ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के प्रति समर्पित रहा। उनके विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणादायी हैं। महात्मा गांधी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में शांति, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

हॉस्पिटल एसोसिएशन पलामू ने मनाया गांधी जयंती समारोह



मेदिनीनगर : हॉस्पिटल एसोसिएशन पलामू के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मेदिनीनगर शहर के आशी केयर हॉस्पिटल, पांकी रोड, रेडमा में किया गया।

समारोह में उपस्थित सदस्यों एवं अस्पताल संचालकों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष तिवारी जी ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं मानव सेवा के विचारों को याद किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन और उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वे जरूरतमंद मरीजों की सेवा, संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ करें तथा समाज में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाएं।

इस अवसर पर हॉस्पिटल एसोसिएशन पलामू के पदाधिकारी, आनंद सिंह, अरुण सिंह, इस्लाम अंसारी, मंसूरजी,अरुण यादव, सभी दौरान एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन गांधी जी के आदर्शों को अपने जीवन एवं कार्यक्षेत्र में अपनाने के संकल्प के साथ हुआ।

हाथी के हमले से वृद्ध की मौत, ग्रामीणों में रोष

बरकट्टा : चलकुशा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अलगडीहा पंचायत के ग्राम भिखनाडीह में हाथी के हमले से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। हाथी के अचानक हुए हमले में 63 वर्षीय झरी महतो (पिता-वजीर महतो) की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम और ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झरी महतो गुरुवार 1 अक्टूबर को दोपहर बाद अपने मवेशियों को चराने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान जंगल में अचानक एक जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। देर शाम तक जब झरी महतो घर नहीं लौटे, तो परजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। हालांकि रात अधिक होने के कारण तलाश में सफलता नहीं मिल सकी। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीणों ने दोबारा खोजबीन शुरू की तो भिखनाडीह जंगल के पास मानगो की ओर झरी महतो का शव बरामद हुआ। शव मिलते ही परजनों में कोहराम मच गया और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव दल में मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, मुखिया प्रतिनिधि रामजीर रजक, थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार पांडेय, प्रभारी वनपाल पंकज कुमार, राजेश कुमार सिंह, राजेंद्र कुमार, सजित कुमार, सिकेंद्र सावर शामिल थे। प्रशासन की ओर से शोक संतप्त परिवार को तत्काल एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। इसके साथ ही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद स्थानीय जनप्रतिंधियों और ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल के भीतर चलकुशा प्रखंड में हाथियों के हमले से अब तक 5 लोगों की जान जा चुकी है। पहले क्षेत्र में हाथियों का आगमन कभी-कभार ही होता था, लेकिन अब यह स्थायी समस्या बन गई है। क्षेत्र के लोग लगातार हाथियों के आतंक के साए में जीने को मजबूर हैं और उन्होंने प्रशासन से इस दिशा में ठोस सुरक्षा उपायों की मांग की है।

लाखों की अल्ट्रासाउंड मशीन कमरे में बंद, मरीजों को सुविधा का इंतजार

चंदवा : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चंदवा में अल्ट्रासाउंड मशीन पहुंचने के बाद भी मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। महंगी मशीन अस्पताल के एक कमरे में पैक रखी हुई है और उसके संचालन के लिए जरूरी व्यवस्थाएं अब तक पूरी नहीं हो सकी हैं। मशीन के अस्पताल पहुंचने के बाद कई सप्ताह बीत जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद में क्षेत्र के मरीजों को राहत की खरीद और उपलब्धता के बावजूद उसके उपयोग में नहीं आने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मशीन को एक कमरे में पैक कर रखे जाने की खबरों सामने आने के बाद लोगों का कहना है कि सरकारी राशि से खरीदा गया महंगा उपकरण केवल कमरे की शोभा बनकर नहीं रहना चाहिए। मशीन के सुरक्षित रखरखाव और संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था जल्द पूरी की जानी चाहिए। मशीन के पहुंचने के बाद से ही स्थानीय लोगों को इसके शुरू होने का इंतजार है। लेकिन निराश गुजरने के बाद भी अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू नहीं होने से लोगों में प्रताशा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में मशीन उपलब्ध होने के बावजूद जांच के लिए निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है।

झारखंड

चक्रधरपुर में भव्य रूप से मनाई जाएगी दुर्गा पूजा

सभी पूजा पंडालों को विधायक सुखराम उरांव ने किया आर्थिक सहयोग

संवाददाता

चक्रधरपुर : दुर्गा पूजा को लेकर चक्रधरपुर शहर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शहर में दुर्गा पूजा का अपना अलग धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व है। प्रत्येक वर्ष यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं।

दुर्गा पूजा केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष एवं चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव पूजा आयोजन को लेकर विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं। विधायक की ओर से चक्रधरपुर शहर में दुर्गा पूजा का आयोजन करने वाले सभी पूजा पंडालों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। उनके इस

सहयोग से पूजा समितियों को पंडाल निर्माण, विद्युत सज्जा एवं अन्य आवश्यक तैयारियों में काफी मदद मिलती है।

चक्रधरपुर शहर में इस वर्ष भी लगभग 25 दुर्गा पूजा पंडालों का निर्माण भव्य रूप से किया जा रहा है। विभिन्न पूजा समितियों द्वारा अलग-अलग थीम पर आकर्षक पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही पंडालों में आकर्षक विद्युत सज्जा और मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। दुर्गा पूजा के दौरान चक्रधरपुर शहर में उत्सव का माहौल देखने को मिलता है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी



संख्या में लोग पूजा पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंचते हैं। पूजा समितियों द्वारा

श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर भी तैयारियां की जाती हैं।

विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सद्भाव का पर्व है। चक्रधरपुर की पहचान भव्य दुर्गा पूजा आयोजनों के लिए रही है। सभी पूजा समितियों को मिल-जुलकर शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूजा संपन्न कराने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पूजा समितियों से अपील की कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया

जाए। केन्द्रीय समिति भी सभी पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर पूजा को सफल बनाने में सहयोग करेगी। चक्रधरपुर में दुर्गा पूजा को लेकर शहरवासियों में काफी उत्साह है। पंडालों का निर्माण और सजावट अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है। इस बार भी शहर में करीब 25 भव्य पूजा पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनने की उम्मीद है। दुर्गा पूजा केन्द्रीय समिति एवं विधायक सुखराम उरांव के सहयोग से चक्रधरपुर में इस वर्ष भी दुर्गोत्सव भव्य, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की तैयारियां की जा रही हैं।

4 अक्टूबर को होगी पश्चिमी सिंहभूम जिला जिम्नास्टिक चैंपियनशिप



संवाददाता

चक्रधरपुर : पश्चिमी सिंहभूम जिला जिम्नास्टिक संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला जिम्नास्टिक चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 4 अक्टूबर 2026 को चक्रधरपुर स्थित राएफ्न आ जिम्नास्टिक हॉल में किया जाएगा।

प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभाशाली युवा जिम्नास्ट हिस्सा लेंगे और अपनी कौशल, शारीरिक क्षमता, अनुशासन एवं खेल प्रतिभा का

प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले में जिम्नास्टिक खेल को बढ़ावा देना तथा उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को एक बेहतर प्रतियर्थात्मक मंच प्रदान करना है।

प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 11:00 बजे से किया जाएगा। इस अवसर पर खेल जगत एवं क्षेत्र के विभिन्न गणमान्य अतिथियों के उपस्थित रहने की संभावना है। अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया जाएगा तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। पश्चिमी सिंहभूम जिला जिम्नास्टिक संघ की अध्यक्ष सुहता राय ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों एवं युवा खिलाड़ियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतियर्थात्मक भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने जिले के खेलप्रेमियों से प्रतियोगिता में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में सांसद ने लिया भाग

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : सांसद पलामू विष्णु दयाल राम ने पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत पांडू प्रखंड के ग्राम करमडीह स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों से आत्मीय मुलाकात की तथा उनके बीच फल वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देशभर के आंगनबाड़ी केंद्रों पर ह्याआंगन मिलन सेवाह्व कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकताओं, सेविका-सहायिकाओं तथा अन्य सहयोगी कर्मियों के महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान करना है।

कार्यक्रम के माध्यम से लाभार्थी माताओं को पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की सरल एवं उपयोगी जानकारी भी दी जा रही है। साथ ही बच्चों को खेल, चित्रकला एवं गीत जैसी गतिविधियों के माध्यम से कार्यक्रम से जोड़ा जा



रहा है।

इस अवसर पर श्री राम ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाएं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। समाज के स्वस्थ, शिक्षित एवं सशक्त भविष्य के निर्माण में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों और माताओं तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में इनकी भूमिका सराहनीय है। उक्त कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्री अमित तिवारी, वरिष्ठ नेता श्री ईश्वर सागर चंद्रवंशी,

प्रफुल्ल कुमार सिंह, श्रीमती संध्या सिंह, कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती रूपा सिंह, श्री धर्मेदेव सिंह यादव, जिला परिषद सदस्य श्रीमती मीना देवी, मुखिया पति श्री अविनाश उर्फ सट्टू सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि श्री विजय ओझा, मंडल अध्यक्ष श्री श्याम किशोर सिंह, प्रेम सागर सिंह, अनुज पाण्डेय, श्री पंकज तिवारी, श्री भोला पाण्डेय, श्रीमती किरण सिंह, श्री मनमोहन पाण्डेय, सतीश पासवान, सरयु पासवान, ललन पाण्डेय सहित भारी संख्या में सेविका सहायिका एवं बच्चे उपस्थित थे।

दियारा क्षेत्रों में विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत पर उठे सवाल

संवाददाता

पटना/सारण : बिहार के ग्रामीण और बाढ़ प्रभावित दियारा क्षेत्रों में विकास योजनाओं की जमीनी स्थिति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीण इलाकों में इन दिनों हूब्रप्रचार का शिकार, दियारा हमाराह्व और ह्रविकास कब होगा ?ह्व जैसे सवाल चर्चा में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी स्तर पर लगातार विकास योजनाओं और उनके लिए राशि उपलब्ध कराने की बात कही जाती है, लेकिन कई इलाकों में योजनाओं का अपेक्षित लाभ जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। इसी स्थिति की पड़ताल के उद्देश्य से मेट्रो पंटर की टीम ने बिहार के बाढ़ प्रभावित दियारा क्षेत्रों का जायजा लिया। टीम ने प्रारंभिक तौर पर पटना जिले के दनापुर तथा सारण जिले के दीघवारा प्रखंड के कुछ क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां की विकास योजनाओं की स्थिति का सर्वे किया। कई पंचायतों में विकास कार्यों की स्थिति चिंताजनक

दीघवारा प्रखंड के दियारा क्षेत्र की कुछ पंचायतों में भ्रमण के दौरान टीम को कई प्रकार की समस्याएं देखने को मिलीं। ग्रामीणों के अनुसार कई स्थानों पर सड़कें तो बनी हैं, लेकिन उनकी स्थिति जरूर है। कहीं सड़कें टूट चुकी हैं तो कहीं मरम्मत की आवश्यकता महसूस होती है। इसी तरह नल-जल योजना के तहत आधारभूत संरचना दिखाई देने के बावजूद कई स्थानों पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत सामने आई। ग्रामीणों का कहना है कि योजना का उद्देश्य घरों तक पानी पहुंचाना था, लेकिन कई जगह इसका लाभ पूरी तरह नहीं मिल पा रहा है।

जर्जर भवन और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी क्षेत्र में सरकारी विद्यालयों और अन्य सरकारी भवनों की स्थिति भी टीम के सर्वे के दौरान सामने आई। कुछ भवन नष्ट दिखाई दिए, जबकि कुछ पुराने भवन जर्जर स्थिति में नजर आए। ग्रामीणों ने संबंधित भवनों के रखरखाव और मरम्मत की आवश्यकता की ओर भी ध्यान दिलाया।

स्वास्थ्य केंद्रों को लेकर भी ग्रामीणों ने सुविधाओं और आवश्यक संसाधनों की कमी की शिकायत की। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किए जाने की जरूरत है, ताकि छोटी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए लोगों को दूर के अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। शौचालय की कमी से ग्रामीण परेशान दियारा क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आई। ग्रामीणों के अनुसार कई परिवारों के पास पर्याप्त शौचालय सुविधा नहीं है। इसके कारण कुछ स्थानों पर ग्रामीणों को खुले में शौच की समस्या का सामना करना पड़ रहा है और सड़कों के आसपास का क्षेत्र भी इससे प्रभावित हो रहा है।

इस स्थिति ने सरकारी स्वच्छता योजनाओं के क्रियान्वयन और उनकी वास्तविक स्थिति की निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि संबंधित योजनाओं के तहत राशि उपलब्ध कराई गई है, तो उसका लाभ प्रत्येक पात्र

परिवार तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। योजनाओं की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल ग्रामीणों का आरोप है कि विकास योजनाओं के लिए सरकार की ओर से राशि उपलब्ध कराए जाने के बावजूद स्थानीय स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी में कमी रह जाती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और संबंधित विभागों के रिकॉर्ड की पड़ताल आवश्यक है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और योजनाओं के वास्तविक क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित विभागों अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था से भी जुड़ी है। ऐसे में प्रखंड स्तर पर योजनाओं की नियमित जांच तथा उत्तर के भौतिक सत्यापन की मांग उठ रही है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल ग्रामीणों की ओर से यह भी आरोप लगाया गया कि कई विकास कार्यों में स्थानीय स्तर

पर अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय की कमी या कथित मिलीभगत के कारण योजनाओं का अपेक्षित लाभ जनता तक नहीं पहुंचता। हालांकि ऐसे आरोपों की पुष्टि के लिए दस्तावेजी साक्ष्य और विभागीय जांच आवश्यक होगी।

ग्रामीणों का कहना है कि योजनाओं की निगरानी केवल कागजी रिपोर्ट के आधार पर नहीं, बल्कि स्थल निरीक्षण के माध्यम से भी होनी चाहिए। इससे यह पता लगाया जा सकता है कि सरकारी राशि से स्वीकृत कार्य वास्तव में जमीन पर कितने प्रभावी ढंग से पूरे हुए हैं। ग्रामीणों ने उठाया सवाल—कब दिखेगा विकास? दियारा क्षेत्र के ग्रामीणों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर उन्हें बुनियादी सुविधाओं के लिए कब तक इंतजार करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने की मांग की है।

आराधना मिश्रा ‘मोना’ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस को मिलेगी नई ऊर्जा : हृदयानंद मिश्र



हामोनाह्व के प्रदेश अध्यक्ष बनने से उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा, नई सक्रियता और नई दिशा का संचार होगा। उनके नेतृत्व में पार्टी का संगठन गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिला और समाज के सभी वर्गों तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा—ऐसी अपेक्षा स्वाभाविक है।

हृदयानंद मिश्र ने इस अवसर पर कांग्रेस संसदीय दल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे, संगठन महासचिव श्री के.सी. वेणुगोपाल तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी

श्री राजेंद्र पाल गौतम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती आराधना मिश्रा ह्वमोनाह्व के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत होने से उत्तर प्रदेश के साथ-साथ झारखंड के कांग्रेसजनों में भी प्रसन्नता की भावना है। आराधना मिश्रा का राजनीतिक जीवन संगठन के प्रति प्रतिबद्धता और जनसेवा से जुड़ा रहा है। उनके नए दायित्व से उत्तर प्रदेश कांग्रेस को मजबूती मिलेगी और देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक में कांग्रेस संगठन को नई गति प्राप्त होगी। श्री मिश्र ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती आराधना मिश्रा ह्वमोनाह्व अपने अनुभव, संघर्षशीलता और संगठनात्मक क्षमता के बल पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेंगी तथा कांग्रेस की लोकतांत्रिक, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की विचारधारा को व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

203 कोबरा वाहिनी के जवानों व अधिकारियों ने किया रक्तदान

बरही : राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर 203 कोबरा वाहिनी कैंप परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण बना। शिविर में अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंद लोगों के जीवन बचाने के संकल्प को मजबूत किया। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट पवन कुमार सिंह (पीएमजी) के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान उन्होंने स्वयं रक्तदान कर जवानों और समाज को प्रेरित किया। रक्तदान के बाद उन्होंने कहा कि ह्रआपके रक्त की एक बूंद किसी के जीवन का सहारा बन सकती है। रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है, इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वेच्छ से रक्तदान करना चाहिए। यह ऐसा देन है, जो किसी अनजान व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। वरिष्ठ चिकित्सा

अधिकारी डॉ. राहुल रेवाड़िया के मार्गदर्शन में सभी रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच के बाद सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया गया। शिविर में द्वितीय कमान अधिकारी डब्ल्यू. समानंद सिंह सहित अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे। मौके पर मौजूद वालंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं ह्वब्लड मैनह्व के नाम से प्रसिद्ध निर्मल जैन ने कहा कि रक्तदान न केवल एक मानवीय कार्य है, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। उन्होंने जवानों के उत्साह और सेवा भावना की सराहना की।

विशेषज्ञों के अनुसार एक यूनिट रक्त से तीन मरीजों तक की सहायता की जा सकती है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित यह शिविर मानवता, सेवा और जीवन रक्षा के प्रति 203 कोबरा वाहिनी की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।